केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 230 सोमवार 11 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बूथ प्रबन्धन कार्यकर्ता की प्राथमिकता- हरीश द्विवेदी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को बस्ती लोकसभा क्षेत्र के पांचों विधानसभाओ में लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में वोट प्रतिशत बढ़ाने का फार्मूला दिया। किसान मोर्चा के जिला महामन्त्री अमृत कुमार वर्मा ने बताया कि चुनाव प्रबन्धन समिति की बैठक हर्रैया कप्तानगंज रूधौली बस्ती सदर और महादेवा विधानसभाओ में सम्पन्न हुई। जिसमे सांसद हरीश द्विवेदी, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, लोकसभा प्रभारी सेतभान राय, लोकसभा संयोजक ई केडी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस बैठक में आगामी रणनीति के साथ चुनावी समर में बूथ प्रबंधन, नामांकन सभा पर मंथन, रैलियों–सभाओं और रोड शो की तैयारियों पर भी विचार–विमर्श किया गया। 13 मार्च को 4 विधानसभा क्षेत्र हरैया कप्तानगंज रूधौली महादेवा में चुनाव कार्यालय उद्घाटन की रूप रेखा पर भी चर्चा हुई।

भाजपा सांसद व प्रत्याशी हरीश द्विवेदी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओ के साथ नियति और नीति भी हैं, इसलिए जनता भाजपा से सहमत है। अब सभी कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रबंधन समिति के माध्यम से सामूहिक रूप से एक माह में बस्ती लोकसभा को गति प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता लाभार्थियों से समन्वय स्थापित कर भाजपा के पक्ष में समर्थन मांगे। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में चर्चा करने के साथ हर कार्य क्षेत्र में कार्य करना है। हर काम को आगे बढ़कर करना है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाना है।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि अब समय कम है। बूथ प्रबंधन को मजबूत रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसमें विधानसभा संयोजकों की महत्वपूर्ण दायित्व है। बूथ मजबूत होगा तो ही मत प्रतिशत बढ़ेगा।

विधायक अजय सिंह ने कहा हम सभी ने अपने बूथों पर पन्ना प्रमुख बनाए हैं। पन्ना प्रमुखों से समन्वय कर समीक्षा करनी चाहिए। तब जाकर मेरा बूथ सबसे मजबूत धरातल पर उतरेगा। चुनाव प्रबंधन समिति विधानसभाओं तक जाकर अपने कार्य करे, यही हमारी नैतिक जिम्मेदारी होगी। लोकसभा प्रभारी सेतभान राय व लोकसभा संयोजक केडी चौधरी ने चुनाव प्रबंधन समिति की प्रमुख कार्यों पर चर्चा की।

इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेम सागर त्रिपाठी, पवन कसौधन, महेश शुक्ल, यशकांत सिंह, सुशील सिंह, देवेन्द्र सिंह, राजेंद्र गौड़, राजेश पाल चौधरी, विवेकानन्द वर्मा, अनूप खरे, सुखराम गौड़, राकेश श्रीवास्तव, प्रमोद पाण्डेय, अनिल दुबे, श्रीश पाण्डेय, केके सिंह, ई विरेन्द्र कुमार मिश्रा, आनन्द सिंह कलहंस, अंकुर वर्मा, प्रबल मलानी, जटाशंकर शुक्ल, भोला निषाद, वरुण पाण्डे, गौरव मणि त्रिपाठी, सुनील सिंह, बालकृष्ण त्रिपाठी पिन्टू, अरविन्द पाल, राकेश शर्मा, गजेन्द्र मणि त्रिपाठी, धर्मेन्द्र जायसवाल सहित लोकसभा प्रबन्धन समिति के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिला अधिकारों पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार (बस्ती) । नई दिशा से महिला समिति (दिशा) की समिति के सूर्य पब्लिक कान्वेंट इंटर कॉलेज नगर बाजार में दिशा समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं संकुल स्तरीय संघ द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। संकुल व ग्राम संगठन स्तर आयोजित कार्यक्रम में जीविका दीदियों नें बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राणा ने महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि जीविका दीदी के अलावे अन्य महिलाओं ने भी शिक्षा,स्वास्थ,ज्ञान,विज्ञान,रक्षा समेत अन्य क्षेत्र में बेहतर भागीदारी निभाई है।

लोकसभा चुनाव की घोषणा से पूर्व नियुक्त होंगे निर्वाचन आयुक्त

नई दिल्ली (आभा)। निर्वाचन आयोग में 7 और 8 मार्च को ऐसा क्या हुआ कि उसी दिन निर्वाचन आयोग में इकलौते निर्वाचन आयुक्त अरुण गोयल ने इस्तीफा दे दिया? कुछ बहुत गंभीर बात हुई है जिसकी वजह से अपनी चार साल की सेवा को अरुण गोयल ने ठोकर मार दी. अगले चार साल में दो साल से ज्यादा गोयल मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर रहते। अब सरकार निर्वाचन आयोग में खाली हुए आयुक्तों के पद 15 मार्च तक भरने की कवायद में जुटी है. अब तक एक ही निर्वाचन आयुक्त की बहाली में जुटी सरकार को आनन–फानन में दो निर्वाचन आयुक्तों की बहाली की कसरत करनी पड़ रही है.सरकार में उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक 6–7 अफसरों का पैनल तो पहले से ही तैयार है।

प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री की ओर से मनोनीत एक मंत्री की चयन समिति संभवतः मंगलवार तक इस बाबत बैठक करेगी. सरकार की पूरी कोशिश है कि दो निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति चुनाव की घोषणा से पहले हो जाए. सरकार के पास इस बुलेट रफ्तार के अलावा कोई रास्ता भी नहीं है.

हालांकि पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने अरुण गोयल की नियुक्ति इसी बुलेट रफ्तार से किए जाने पर तंज कसा था. कोर्ट ने तब कहा था कि ऐसा कौन सा आसमान टूटा पड़ रहा था कि सरकार बिजली को तेजी से काम करने लगी. एक दिन में चयन प्रक्रिया पूरी कर ली गई, लेकिन इस बार अर्जेंसी कुछ अलग है और जायज भी है।

पौधों की सेवा कर दिया पर्यावरण रक्षा का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पर्यावरण प्रेमी गौहर अली पिछले एक दशक से शहरी क्षेत्र में छायादार पौधे लगाने व उनकी सुरक्षा के लिए मुहिम चला रहे हैं। रविवार को गौहर अली ने पं. सुनील कुमार भट्ट, राहुल कुमार, अखिलेश राज, दिनेश कुमार राजभर के साथ तहसील परिसर और आस पास लगाये गये पौधों की सफाई, सिंचाई आदि किया जिससे पौधे समय से बड़े हो और छायादार वृक्ष बनकर हरियाली दे सके। अनेक ट्री गार्ड खराब हो गये थे जिसके स्थान पर नये ट्री गार्ड लगाने के साथ ही कुछ की मरम्मत किया गया।

गौहर अली ने सहयोगियों के साथ कलक्ट्रेट, कैली रोड, कोतवाली, गायत्री मंदिर सहित शहर के अनेक स्थानों पर छायादार पौधे लगाए है। इनमें से काफी पौधे पेड़ बन चुके हैं। वे पौधरोपण करने के साथ ही इनकी सुरक्षा का भी नियमित प्रयास करते हैं, इसका परिणाम है कि इनके लगाए काफी पौधे सुरक्षित हैं। गौहर अली ने बताया कि वह ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं, जहां हरियाली की कमी नहीं है. इसके विपरीत शहर में लगे पेड़ों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। सड़क के किनारे लगे पेड़ सुविधानुसार काट दिए गए, लेकिन इनकी जगह पर नए पौधे नहीं लगाए गए. राहगीरों को गर्मी में छांव नहीं मिलती है. जानवर और परिंदों के लिए ठिकाना नहीं बचा है, शहर का तापमान भी इससे बढ़ता जा रहा है. सभी को इन समस्याओं के प्रति जागरूक होकर पौधरोपण व उसकी सुरक्षा के लिए मुहिम चलानी होगी।

कमान संभालते ही नए थाना प्रभारी को मिली चुनौती, पेट्रोल पंप से डेढ़ लाख की चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थाना क्षेत्र के मलपुरवा स्थिति आरएन पेट्रोल पंप पर बीती रात ताला तोड़कर एक लाख चालीस हजार नगद की चोरी कर ली गई , चोरों ने पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे की तार को काट दिया उसके बाद आलमारी को उठाकर पेट्रोल टंकी के पीछे ले जाकर उसके लॉकर को तोड़कर पैसा निकाल लिया और उसमें रखे जरूरी दस्तावेजों को पास के तालाब में फेंक दिया । पेट्रोल पंप के मैनेजर अभिनेश चौधरी ने घटना की जानकारी होने के बाद रविवार को पुलिस को सूचना दिया मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की स्थिति का जायजा लिया ।

यूपी पुलिस के सिपाही भले ही रात में गश्त कर रहे हों लेकिन पिछले 1 वर्ष से सोनहा क्षेत्र में दर्जनों चोरियां हो गई वहीं आज तक इन चोरियों का खुलासा सोनहा पुलिस नहीं कर पाई जिसकी वजह से क्षेत्र के लोगों में चोरी की घटनाओं को लेकर भय का माहौल बना रहता है।

सोनहा थाना क्षेत्र के गोविंदापुर गांव में 24 मार्च 2023 को कृष्ण कुमार चौधरी के घर मे चोरों ने करीब पांच लाख रुपये के गहने एवं 50 हजार से ज्यादा नगदी पर हाथ साफ कर दिया था इसी रात गांव के ही अशोक शुक्ला के घर से 2 लाख के गहने एवं 12 हजार नगद की चोरी हुई इन्ही के पड़ोसी रविंद्र शुक्ला के घर लाखों की चोरी के साथ 50 हजार रुपये की चोरी हुई थी अभी तक मामले का खुलासा नही हो पाया।।

थाना क्षेत्र के अमरौली शुमाली के रामनगर में चोरों ने गौरव सिंह के घर में 20 अगस्त 2023 को करीब 10 लाख रुपये के गहने एवं लाखों रुपये की नगदी पर हाथ साफ कर दिया अभी तक इस मामले में कोई सुराग पुलिस को नही मिल पाया । 12 अगस्त 2023 को परसाखाल गांव में परशुराम के घर में जबरदस्त चोरी हुई जिसमें नगदी समेत करीब 10 लाख की चोरी हुई , इसी रात उसी गांव के रामचरन के घर में लाखों की चोरी हुई अभी तक पुलिस के हाथ चोरों के सुराग नही लग पाया ।

सोनहा थाना क्षेत्र के द्वारिका चक में रमाकान्त चौधरी के घर बाग से 4 दिन पहले ट्राली चोरी हो गई ,सोनहा पुलिस ने इस घटना की एफआईआर तक अभी तक दर्ज नही किया है। इसी तरह से सोनहा थाना क्षेत्र की कई इलाकों में बड़ी–बड़ी चोरियों की घटनाओं को चोरों ने अंजाम दिया लेकिन अभी तक पुलिस चोरों के गैंग का सुराग नही लगा पाई ।

ममता ने किया बंगाल में बड़ा खेला

कोलकाता (आभा)। आखिरकार लंबे इंतजार के बाद ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अपने सभी प्रत्याशी मैदान में उतार दिए। सभी प्रत्याशियों के मैदान में उतारने के साथ ममता बनर्जी ने अधिकारिक तौर पर कांग्रेस के साथ बनाई जा रही सियासी रणनीति और गठबंधन से अलग रास्ता बना लिया। सियासी गलियारों में अब चर्चा इस बात की हो रही है ममता बनर्जी के इस फैसले से कांग्रेस के साथ बड़ा खेला हो गया है।

बताया यही जा रहा है कि ममता बनर्जी अभी तक कांग्रेस की ओर से टिकट के बंटवारे की राह देख रही थी। तृणमूल कांग्रेस से जुड़े नेताओं की मानें तो बार–बार रिमाइंड करने के बाद भी टिकट बंटवारे पर चर्चा नहीं हो रही थी। इसके अलावा कांग्रेस के बड़े नेता अधीर रंजन चौधरी की ममता और टीएमसी पर की जाने वाली बयानबाजी से कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बनते रिश्ते लगातार बिगड़ते जा रहे थे। हालांकि, कांग्रेस पार्टी को उम्मीद है कि अभी भी गठबंधन की बातचीत हो सकती है।

प्रमुख विपक्षी दलों के गठबंधन समूह इण्डिया से अहम घटक दल टीएमसी के अलग के घटनाक्रम को सियासी नजरिए से अलग–अलग पैमानों पर आंका जा रहा है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो ममता बनर्जी की ओर से सभी 42 सीटों पर प्रत्याशियों के उतारने से कांग्रेस पर बड़ा दबाव बना है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ममता बनर्जी लगातार कांग्रेस से सीट बंटवारे को लेकर फैसला लेने को कहती रही। लेकिन पश्चिम बंगाल जैसे महत्वपूर्ण राज्य में सीट शेयरिंग का कोई भी फार्मूला तैयार नहीं किया जा सका।

गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है भाजपा – हरीश द्विवेदी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

भानपुर, (बस्ती)। रविवार को भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र के उकड़ा श्री हनुमान मंदिर पर नगर पंचायत क्षेत्र भानपुर के विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम सांसद हरीश द्विवेदी के कर कमलों से संपन्न हुआ। इससे पूर्व सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ।

यहां आयोजित कार्यक्रम में कुल 11.73 करोड़ की 64 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। उकड़ा श्री हनुमान मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का शहरीकरण करना भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश सरकार के प्राथमिकता में रहा है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश किसके लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बस्ती जनपद की पांच प्रमुख कस्बों को नगर पंचायत का दर्जा देने का कार्य किया। कहा कि इसी के क्रियान्वयन में 12 करोड़ की लागत का भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जा रहा है। सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि हमारी सरकार की सोच है कि गांव में वह सभी सुविधाएं उपलब्ध हो जिससे लोगों को शहरों की तरफ पलायन न करना पड़े। भाजपा गांव को शहर बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य नितेश शर्मा ने कहा कि सांसद हरीश द्विवेदी के प्रयास से भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। आगामी दिनों में कई बड़ी परियोजना की सौगात भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र वासियों को मिलने वाली है। इसके लिए हम सभी को पुनः केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनानी है तथा हरीश द्विवेदी को एक बार फिर सांसद बनाना है। बस्ती आगे बढ़ेगा ये हरीश द्विवेदी की गारंटी है।

इस अवसर पर एसडीएम भानपुर आशुतोष तिवारी, अधिशासी अधिकारी ऋचा सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि दुष्यंत विक्रम सिंह, अविनाश मिश्र मंचल, आकाश शुक्ल, राहुल सिंह, सुधाकर पांडेय नीरज, अनूप शुक्ल, मंटू दूबे, सुरेंद्र सिंह, अयोध्या सिंह, अनिल मिश्र, रामभारत यादव, संतोष पांडेय, राजाराम तिवारी, मनोज पांडेय, अभिषेक पाठक, ध्रुव चंद्र पाठक, श्याम नाथ चौधरी, राकेश उपाध्याय, अरविंद चौरसिया, रामनेवास गिरी, सुरेंद्र सिंह, श्री यादव, गिरिजेश मिश्र, भगवंत गुप्ता, फूलराम वर्मा, प्रमोद प्रजापति, विवेकानंद पांडेय, सुनील पाठक, शिवशंकर त्रिपाठी, आकाश चौधरी, बृजेश पांडेय, गगन पांडेय, गोपाल रावत सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वायदों पर खरा नहीं उतरी भाजपा, मां, बाप को छोड़ इजराइल जाने को मजबूर हैं यूपी के नौजवान- राम प्रसाद चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

-लोकतांत्रिक अधिकारों को छीन लेना चाहती है भाजपा- महेन्द्रनाथ
-सपा के पी.डी.ए. जन पंचायत में उठे जमीनी मुद्दे

बस्ती । समाजवादी पार्टी द्वारा पी.डी.ए. जन पंचायत के द्वारा जन मानस के भीतर जमीनी मुद्दा उठाने और उन्हें जगाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी कड़ी में रविवार को महादेवा विधानसभा क्षेत्र के पाऊं बाजार चौराहे पर आयोजित जन पंचायत में सपा नेताओं ने मतदाताओं का आवाहन किया कि वे भाजपा के राजनीतिक षड़यंत्रों और झूठे जुमलों से सावधान रहें।

लोकसभा 61 से इण्डिया गठबंधन से सपा प्रत्याशी एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि भाजपा ने कहा था कि सरकार बनने पर बेरोजगारी समाप्त हो जायेगी, किसानोंकी आय दो गुनी होगी और युवाओं को सरकारी नौकरियां मिलेंगी। देश प्रदेश की जनता ने केन्द्र और उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनवा दिया किन्तु भाजपा अपने वायदों पर खरा नहीं उतरी। बड़ी उम्मीद के साथ बेरोजगार नौजवानों ने सिपाही भर्ती के लिये पेपर दिया किन्तु वह लीक हो गया। हालात ये है कि बेरोजगारी से त्रस्त युवा आज इजराइल जाने को मजबूर है। कहा कि यदि उत्तर प्रदेश के हालात बेहतर होते तो नौजवान अपने मां बाप, बहन, भाई, परिवार, समाज को छोड़कर इजराइल क्यों जाते। कहा कि समय आ गया है कि ऐसी सरकार को बदल डालिये वरना लोकतंत्र खतरे में आ जायेगा।

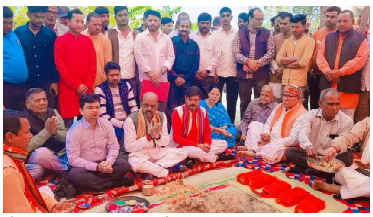

सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सत्ता, व्यवस्था परिवर्तन चाहने वालों को डराकर सत्ता में बने रहना चाहती है, किन्तु मतदाता इस बार साम्प्रदायिक ताकतों को मुहतोड़ जबाब देंगे। नौजवान, किसान, व्यापारी सहित दलित, अल्पसंख्यक अगड़े, पिछड़े समाज के लोग परिवर्तन का मन बना चुके है। कहा कि भाजपा की सरकार किसानों पर गोलियां चलाकर, नौजवानों के नौकरियों का हक छीनकर, सेना में अग्निवीर योजना लाकर लोकतांत्रिक अधिकारों को छीन लेना चाहती है, यह सरकार पूंजीपतियों की हितैषी है। आवाहन किया कि किसान, नौजवान, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक के साथ ही सर्व समाज के लोग एकजुट होकर भाजपा के सत्ता के अहंकार को परास्त करे। पीडीए जन पंचायक की अध्यक्षता करते हुये सपा महादेवा विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि क्षेत्र के मतदाता इस बार कोई भूल नहीं करेंगे और सपा प्रत्याशी रेकार्ड मतों से जीत दर्ज करेंगे।

सपा विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' विजय विक्रम आर्य, कैश मोहम्मद, गीता भारती, तिलकराम चौधरी, रामशंकर निराला, कांग्रेस के पूर्व विधायक राम जियावन, कांग्रेस नेता नेता अनिल भारती आदि ने कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार नौजवानों, किसानों, व्यापारियों और समाज के सभी वर्गों को धोखा दे रही है। यह जुमलों वाली सरकार है, मतदाता इससे सावधान रहे। सत्ता और व्यवस्था परिवर्तन के लिये पूरी ताकत से जुट जाये. जुल्म और अत्याचार का डटकर विरोध करें। कहा कि आप सभी लोकसभा के चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित करें वरना लोकतंत्र और संविधान दोनों खतरे में आ जायेगा। जन पंचायत के दौरान ज्ञानेन्द्रनाथ पाण्डेय, गुड्डू मिश्र, ब्रम्हदत्त शुक्ल, रामकरन निषाद, श्रीराम निषाद, अशोक, रामधनी विश्वकर्मा, दीपक, श्याम सुन्दर निषाद, जगदीश निषाद, वीरेन्द्र निषाद, मनदीप गुप्ता, रामजनम शर्मा आदि विभिन्न राजनीतिक दलों को छोड़ समर्थकों के साथ सपा में शामिल हुये। पी.डी.ए. जन पंचायत में मुख्य रूप से कैश मोहम्मद, मो. स्वालेह, रिन्टू यादव, पंकज मिश्र, चन्द्रिका यादव, गंगा प्रसाद यादव, राजेन्द्र चौरसिया, महंथ यादव, जामवन्त यादव, गंगा प्रसाद यादव, राम सुरेश सोनकर, विजयपाल यादव, रनबहादुर यादव, कक्कू शुक्ल, इरशाद अहमद, जितेन्द्र पाल, श्याम जी यादव, नीलू सिंह, तूफानी यादव, मो. युनूस, पवन, संजय सोनकर, संतराम आर्य, पवन चौधरी, ज्ञानचन्द्र चौधरी, निसार अहमद के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक और महिलायें, सपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी उपस्थित रहे।

18 सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ बस्ती के जिला अध्यक्ष विष्णु दत्त शुक्ल के नेतृत्व में शिक्षकों के प्रतिनिधि मण्डल ने प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर सांसद और एम0एल0सी0 को सम्बोधित ज्ञापन उनके प्रतिनिधि जगदीश शुक्ल और हरीश सिंह को सौंपा।

प्रांतीय निर्देश के क्रम में शिक्षकों के 18 सूत्रीय मांग मुख्य रूप से शिक्षकों के निजी सिम एवं डाटा से ऑनलाइन उपस्थिति एवं डिजिटलीकरण आदेश को रोके जाने, जूनियर हाईस्कूल विद्यालयों में शिक्षकों की पदोन्नति किए जाने, शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा दिए जाने, शिक्षकों को मध्यान्ह भोजन बनवाने से मुक्त किए जाने, गैर शैक्षणिक कार्य से शिक्षकों को मुक्त किए जाने, शिक्षा मित्र एवं अनुदेशको के मानदेय में वृद्धि किए जाने, शिक्षकों के स्थानांतरण किए जाने, शिक्षकों को ई0एल0 की सुविधा एवं अर्ध अवकाश दिए जाने आदि का ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के निस्तारण का आग्रह किया गया।

भाजपा सांसद हरीश द्विवेदी के प्रतिनिधि जगदीश शुक्ल एवं विधान परिषद सदस्य गोरखपुर फैजाबाद देवेंद्र प्रताप सिंह के प्रतिनिधि हरीश सिंह के माध्यम से शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपा । जिला अध्यक्ष विष्णु दत्त शुक्ल ने दोनों प्रतिनिधियों को शिक्षकों की बिंदुवार समस्याओं से अवगत कराते हुए शिक्षकों की सभी लंबी समस्याओं के निस्तारण हेतु मुख्यमंत्री और शासन तक मांग पत्र को पहुंचाने का आग्रह किया ।

ज्ञापन देने के बाद संघ अध्यक्ष विष्णु दत्त शुक्ल ने बताया कि बिना बेसिक शिक्षा परिषद के अनुमोदन के ही मनमानी ढंग से लगातार शिक्षक विरोधी आदेश पारित किये जा रहे हैं, जो सरासर गलत एवं अव्यवहारिक है जिसे शिक्षक कतई बर्दाश्त नहीं करेगा । बताया कि विभाग द्वारा शिक्षकों का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है जिसको लेकर शिक्षकों में असंतोष की स्थिति व्याप्त है।ज्ञापन देते समय जिला मंत्री लालजी पाठक, जिला कोषाध्यक्ष सच्चिदानंद शुक्ल, कुदरहा ब्लॉक के अध्यक्ष सुभाष चंद्र, विनय शंकर पाण्डेय, रुद्र प्रताप चौधरी,सभाजीत यादव प्रेम कुमार मिश्र आदि शिक्षक मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में मुख्यमंत्री से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कोतवाली थाना क्षेत्र के जखनी निवासी प्रेमचन्द्र चौधरी ने मुख्यमंत्री को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर जमीन के मामले में न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में प्रेमचन्द्र चौधरी ने कहा है कि फर्जी दस्तावेज को आधार बनाकर नायब तहसीलदार व हल्का लेखपाल विपक्षियों के साजिश में होकर राजस्व अभिलेखों से हटकर आख्या रिपोर्ट तैयार कर कब्जा परिवर्तन किये जाने के लिए एसडीएम के माध्यम से जिलाधिकारी को झूठी आख्या रिपोर्ट सौंप दिया।

पत्र में प्रेमचन्द्र चौधरी पुत्र स्व० राम उग्रह चौधरी ने कहा है कि उनके पिता स्वर्गीय राम उग्रह चौधरी ने 1985 में गाटा सं0– 313, 314, 317 के सम्पूर्ण रकबे का 1/4 भाग जरिए दस्तावेज बैनामा प्राप्त किया था तथा तीनो नम्बरों का चौहद्दी देकर बैनामा कराया था उनकी मृत्यु 1990 में हो गयी इसके बाद वे और उनके भाई का नाम दर्ज राजस्व कागजात हुआ । उनका भाई ध्रुवचन्द्र काफी शराबी किस्म का था तथा राजन श्रीवास्तव के मकान में किराये पर रहता था। शान्ती पत्नी परदेशी और निर्मला पत्नी बाबूराम ने 2010 में सम्पूर्ण रकबे का 1/4 सं०–313 में चौहद्दी देकर एक ही नम्बर में दो बार बैनामा करा लिया । इन लोगों ने जानबूझकर उनके भाई ध्रुवचन्द्र को शराब पिलाकर व बहलाफुसलाकर फर्जी तरीके से उनके मकान आबादी सहन को जमीन बताकर बैनामा करा लिया जो गलत है। विपक्षी अपनी मनबढ़ई तथा हल्का लेखपाल, नायब तहसीलदार व एस०डी०एम० सदर को गुमराह कर प्रेमचन्द्र के मकान आबादी सहन को अवैध तरीके से कब्जा करना चाह रहे हैं। इस सम्बन्ध में शान्ती व निर्मला आदि ने शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था जिस पर नायब तहसीलदार एवं लेखपाल ने अभिलेख से हटकर आख्या सौपी है और उसे बेदखल कर देने की धमकी दे रहे है जबकि प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। प्रेमचन्द्र ने अभिलेखों का अवलोकन कर विधि विरुद्ध तरीके से कब्जा परिवर्तन रोके जाने की मांग किया है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 मार्च 2024 सोमवार

सम्पादकीय

नकली दवाओं का कारोबार

नकली दवाओं का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। ये दवायें लोगों की जिन्दगी के साथ खिलवाड़ करती है। इसे रोकने के लिये प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। सच तो ये है कि बाजार में कई बार ऐसी दवाइयां मिल जाती हैं जो दिखने में तो असली दवाओं जैसी लगती हैं, लेकिन असल में ये सिर्फ चॉक पाउडर या स्टार्च जैसी चीजें होती हैं! एक अध्ययन के अनुसार भारत में लगभग 25: दवाइयां नकली, खराब या घटिया दर्जे की होती हैं। इन नकली दवाओं से लोगों की सेहत को बहुत खतरा होता है। यह सिलसिला अनवरत जारी है। देश में आए दिन नकली दवाइयों का भंडाफोड़ होना समाज के नजरिये से सुखद, पर प्रशासन के नजरिये से शर्मनाक है। सबसे दुखद है, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में फिर एक नकली दवा कंपनी का पकड़ा जाना। नकली दवाओं का निर्माण जिस गति से गाजियाबाद में हो रहा था, उसकी निंदा के लिए शब्द कम पड़ जाएंगे। यह न केवल लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़, बल्कि देश के साथ शत्रुता के समान है। गाजियाबाद में पता नहीं कब से यह नकली दवा फैक्टरी चल रही थी, जहां रक्तचाप, मधुमेह और गैस की नकली दवाएं बनाई जा रही थीं। जाहिर है, यह कंपनी अपने बाजार प्रतिनिधियों के जोर पर अनेक चिकित्सकों को लुभावने प्रस्ताव देकर अपनी दवाओं को बेचती होगी। औषधि विभाग, क्राइम ब्रांच और पुलिस के हाथ तो महज 1.10 करोड़ रुपये की नकली दवाएं आई हैं, पर वास्तव में न जाने कितनी नकली दवाइयों की बिक्री यह कंपनी कर चुकी होगी।

खैर, नकली दवा बनाने वाले फैक्टरी संचालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि दूसरों के लिए नजीर बन जाए। इसमें कोई शक नहीं है कि मिलावटखोरों या नकली उत्पाद बनाने वाले उद्यमियों के साथ हमारे देश में ढिलाई या उदारता बरती जाती है, इसलिए अपराधियों के हौसले बुलंद रहते हैं। किसी न किसी रसूखदार का सहारा लेकर ऐसे उद्यमी–अपराधी बचने के रास्ते निकाल लेते हैं। चूंकि भारत में आबादी ज्यादा है और उसी अनुपात में बीमारियां भी हैं, तो दवाओं की मांग यहां लगातार बनी रहती है। ऐसे में, कुछ दवा निर्माता कंपनियों का काम ही यही है कि ब्रांडेड दवाओं के नाम का लाभ उठाया जाए। दवा कारोबार में लाभ भी बहुत होता है, यह लाभ भी अपराधियों को दवा निर्माण के व्यवसाय में खींच लाता है। नकली दवाओं का मामला केवल एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। तेलंगाना का ताजा मामला गौर करने लायक है। तेलंगाना सरकार ने मेग लाइफ साइंसेज द्वारा निर्मित 33 लाख रुपये से ज्यादा की तीन दवाओं की जांच की है और उनमें दवा का कोई भी तत्व नहीं पाया है। राज्य के औषधि नियंत्रण प्रशासन ने कहा है कि इन तीनों नकली दवाओं में केवल चॉक पाउडर और स्टार्च मिला है। तेलंगाना में पकड़ में आई कंपनी ने कागज पर हिमाचल प्रदेश में मुख्यालय होने का दावा किया है, पर वास्तव में हिमाचल में ऐसी कोई कंपनी नहीं है। पता नहीं, ऐसी कितनी कंपनियां देश में चल रही हैं? पिछले सप्ताह ही तेलंगाना डीसीए और हैदराबाद पुलिस के संयुक्त अभियान के बाद उत्तराखंड में इसी तरह के एक नकली दवा रैकेट का भंडाफोड़ किया गया था, जिसमें चॉक पाउडर वाली नकली दवाओं को सिप्ला जैसी प्रतिष्ठित फार्मा कंपनियों की दवा के रूप में पेश किया जा रहा था।

नकली दवाओं से शायद ही कोई राज्य अछूता है। पिछले महीने महाराष्ट्र में भी भारी मात्रा में नकली एंटीबायोटिक दवाओं को जब्त किया गया था। ऐसी कंपनियां अक्सर भ्रष्टाचार का सहारा लेकर सरकारी अस्पतालों में भी आपूर्ति करने में कामयाब हो जाती हैं। अब बड़ी नामी दवा कंपनियों को भी सतर्क रहना चाहिए। सुरक्षा एजेंसियों और औषधि नियामक संस्थाओं के साथ मिलकर दवा की दुनिया में विश्वास सुनिश्चित करने के लिए तमाम अच्छी–सच्ची कंपनियों को एकजुट हो जाना चाहिए। देश में विष बेच रहे दवा निर्माताओं के खिलाफ जितनी सख्ती बरती जाए, उतना अच्छा है।

दल बदल के दौर में राजनीति और कांग्रेस

– योगेन्द्र योगी–

भाजपा के बढ़ते प्रभाव और कांग्रेस की कमजोर पड़ती सत्ता से कांग्रेसियों में भगदड़ मची हुई है। दरअसल कांग्रेस के डूबते राजनीतिक जहाज में सवार नेताओं को अपना भविष्य डूबने का खतरा सता रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस की हालत आयाराम–गयाराम जैसी हो गई है। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोडने वाले नेताओं की लंबी फेहरिस्त सामने आ चुकी है। यह सिलसिला लोकसभा चुनाव तक जारी रहने की उम्मीद है। कांग्रेस में बदहवासी का आलम यह है कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार गिरते–गिरते बची है। राज्यसभा के निर्वाचन में हुई क्रास वोटिंग का सर्वाधिक खामियाजा कांग्रेस ने भुगता है। क्रास वोटिंग करने वाले नेताओं को इस बात का अंदाजा लग गया कि इस राजनीतिक पार्टी में भविष्य सुरक्षित नहीं है। यही वजह रही कि बहती गंगा में हाथ धोने से कांग्रेस के नेता बाज नहीं आए।

आश्चर्य की बात यह है कि एक तरफ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पहले देश में एकता यात्रा और उसके बाद अब न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता कांग्रेस में व्याप्त हताशा को रोकने के लिए कोई मजबूत उपाय नहीं कर सके। पार्टी से एक के बाद एक वरिष्ठ नेता कांग्रेस का दामन छोडने में लगे हुए हैं। कांग्रेस की बात करें तो पांच बड़े नेताओं ने पिछले एक महीने के अंदर पार्टी छोड़ी है। कमलनाथ इस सूची में छठा नाम हो सकते हैं। चुनाव की तारीख का ऐलान होने में एक महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में कांग्रेस के लिए नई रणनीति बनाना और जीत हासिल करना बेहद मुश्किल होगा। बड़े नेताओं के दल बदलने से सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस को हुआ है, लेकिन बीजेपी भी इससे नहीं बच पाई है। सत्ताधारी पार्टी के तीन बड़े नेता पाला बदल चुके हैं। खास बात यह है कि तीनों नेता कांग्रेस में शामिल हुए हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के अशोक तंवर भी बीजेपी का हिस्सा बन चुके हैं। हालांकि, बीजेपी का साथ छोड़कर कांग्रेस में जाने वाले आखिरी बड़े नेता जी विवेक थे, जिन्होंने नवंबर 2023 में ऐसा किया था। इसके बाद से पार्टी अपने नेताओं को बांधकर रखने में सफल रही है।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पार्टी के हाई कमान से नाराज हैं और बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। अगर कमलनाथ कांग्रेस छोड़ते हैं तो वह ऐसा करने वाले कांग्रेस के पहले पूर्व मुख्यमंत्री नहीं होंगे। उनसे पहले 12 नेता ऐसा कर चुके हैं। खास बात यह है कि कमल नाथ की वजह से कांग्रेस छोडने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया पहले ही बीजेपी का हिस्सा हैं। कुछ नेताओं ने अपनी पार्टी बनाई तो वहीं कुछ नेता दूसरी पार्टी में शामिल हो गए। इस सूची में सबसे ज्यादा तीन पूर्व मुख्यमंत्री गोवा के हैं। गोवा के दिगंबर कामत, रवि नाइक और लुइजिन्हो फलेरियो ऐसे नेता हैं, जो कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री रहे, लेकिन बाद में पार्टी छोड़ दी। इनमें से दिगंबर और रवि ने तो अंत में बीजेपी का दामन थामा, लेकिन फलेरियो पहले टीएमसी में रहे फिर इस पार्टी से भी अलग हो गए। अगले कुछ महीनों में लोकसभा के चुनाव हैं। इससे ठीक पहले जिस तरह कांग्रेस से दिग्गज नेता अलग हो रहे वो चौंकाने वाला है। कांग्रेस को झटके पर झटका उनकी पार्टी के नेता ही दे रहे हैं। चुनाव से ठीक पहले ही कांग्रेस के नेता पार्टी को छोडना शुरू कर देते हैं। कांग्रेस के कई पूर्व सीएम जैसे कि कैप्टन अमरिंदर सिंह, गुलाम नबी आजाद, एन. बिरेन सिंह, नारायण राणे, एसएम कृष्णा, शंकर सिंह वाघेला, पेमा खांडू और अशोक चव्हाण जैसे नेताओं का भी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से भरोसा समाप्त होता नजर आया। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता एक तरफ तो पार्टी छोड़ चुके हैं। वहीं, दूसरी तरफ कई बड़े नेताओं के पार्टी छोडने की अटकलें लगाई जा रही हैं। महाराष्ट्र में तो कांग्रेस को एक के बाद एक प्रदेश के तीन दिग्गज नेताओं ने झटका दिया है। सबसे पहले पार्टी से एक महीने पहले मिलिंद देवड़ा ने इस्तीफा दिया। इसके बाद 8 फरवरी को बाबा सिद्दीकी ने पार्टी छोडने का ऐलान कर दिया और अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी कांग्रेस की नाव से उतर चुके हैं। कांग्रेस के अंदर की अंतर्कलह आज से जारी नहीं है।

राहुल गांधी के सबसे नजदीकी नेताओं में शामिल रहे दिग्गज भी अब बीजेपी के साथ हैं तो वहीं कांग्रेस में सोनिया गांधी के करीबी माने जाने वाले नेताओं में से रीता बहुगुणा जोशी, कैप्टन अमरिंदर सिंह और गुलाम नबी आजाद भी पार्टी का दामन छोड़ चुके हैं। कांग्रेस से युवा नेताओं का भी मोह भंग होता जा रहा है। इसका उदाहरण मिलिंद देवड़ा, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, अल्पेश ठाकोर, हार्दिक पटेल, सुष्मिता देव, प्रियंका चतुर्वेदी, आरपीएन सिंह, अशोक तंवर जैसे नेता हैं, जो कांग्रेस से अलग हो चुके हैं। बिहार में अशोक चौधरी, असम के वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा, सुनील जाखड़ के साथ अश्वनी कुमार जैसे भी नेता हैं जो पार्टी के काम करने के तरीके से नाखुश होकर पार्टी का दामन छोड़ चुके हैं। कांग्रेस ने पूरे देश में विपक्ष को एनडीए के खिलाफ इकठ्ठा करने के लिए इंडिया गठबंधन तैयार किया, तब उसे लगा था कि देश की सत्ता तक पहुंचने के लिए यह रास्ता आसान होगा। लेकिन, एक–एक कर इंडिया गठबंधन से पार्टियां अलग होती चली गईं। सबसे पहले नीतीश कुमार जिन्होंने इस गठबंधन के लिए सबको इकठ्ठा किया था बीजेपी के साथ हो लिए। फिर ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल को भी कांग्रेस का साथ रास नहीं आ रहा। ममता कांग्रेस पर निशाना साध रही हैं तो अरविंद केजरीवाल जिस तरह से लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने का दावा कर रहे हैं उससे साफ हो गया है कि वह एकला चलो रे की राह पर बढ़ रहे हैं। एनसीपी और शिवसेना टूटी और उनका नेतृत्व जिनके हाथ में है, वह कांग्रेस का विरोध करते रहे हैं।

कांग्रेस के 10 साल के समय को देखें तो पता चल जाएगा कि एक तरफ पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की तरफ से पार्टी की जमीन देश में मजबूत करने की कोशिश हो रही है, दूसरी तरफ पार्टी के दिग्गज और युवा नेताओं ने एक–एक कर पार्टी का साथ छोड़ दिया है। कांग्रेस को छोड़ते समय इनमें से ज्यादातर नेताओं ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और खासकर राहुल गांधी पर उनकी अनदेखी के आरोप लगाए। इनमें से जिन्होंने भी बीजेपी का दामन थामा, उन्हें पार्टी ने जगह भी दी। कांग्रेस ने आचार्य प्रमोद कृष्णम को बाहर का रास्ता दिखाया तो अब उनके भी बीजेपी में शामिल होने की बात कही जा रही है। पार्टी के नेताओं के असंतोष पर ध्यान दें तो पता चलेगा कि बड़े–छोटे देशभर के हर प्रदेश से कुल मिलाकर 400 से ज्यादा की संख्या में अलग–अलग स्तर के नेता कांग्रेस का दामन छोड़ चुके हैं। जर्जर होती कांग्रेस की इसी हालत का फायदा इंडिया गठबंधन के क्षेत्रीय दलों ने उठाया है। क्षेत्रीय दल कांग्रेस के साथ लोकसभा की सीटों के मोलभाव अपनी सुविधा के हिसाब से कर रहे रहे हैं। लाचार कांग्रेस के पास क्षेत्रीय दलों की शर्तें मानने के अलावा कोई दूसरा चारा नहीं बचा है। यही वजह है कि कांग्रेस ने पंजाब, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में मजबूरी में समझौते किए हैं। यह बात दीगर है कि कभी इन राज्यों में कांग्रेस के दुदंभी बजती थी।

दरअसल भाजपा के ताकतवर होने होने के बाद कांग्रेस ने कभी भी पार्टी के लगातार कमजोर पड़ते जाने को लेकर आत्मंथन नहीं किया। कांग्रेस अपनी किसी भी नीति और सिद्धांत पर कायम नहीं रह सकी। ऐसे में भाजपा ने कांग्रेस के ढहते किले में तोडफोड़ करने में कसर बाकी नहीं रखी। भाजपा ने दोतरफ से कांग्रेस का घेराव किया। एक तरफ कांग्रेस शासन के भ्रष्टाचार और गलत नीतियों को न सिर्फ उजागर किया बल्कि कई दिग्गजों पर सीबीआई और ईडी की कार्रवाई भी करवाई। दूसरी तरफ भाजपा ने कांग्रेस में सेंधमारी करके उसे हाशिए पर लाने में कसर बाकी नहीं रखी। दोनों तरफ से पिटती कांग्रेस में नेताओं को लगने लगा कि इसके दिन लद गए लगते हैं। कांग्रेस छोडने वाले नेताओं बेशक भाजपा में अपना भविष्य बेहतर लग रहा हो, किन्तु भाजपा के अनुशासन केंद्रीकृत नीतियों के चलते कांग्रेस जैसी मौज नहीं मिल सकती।

एशियाई केंद्र के रूप में उभरे भारत

–मनीष तिवारी–

भारतीय उपमहाद्वीप का यह नाम एक कारण से रखा गया है। भारत का हीरे के आकार का भू–भाग पश्चिम एशिया और पूर्वी एशिया के बीच में स्थित है। इसका दक्षिणी प्रायद्वीप हिंद महासागर में काफी फैला हुआ है, और उत्तर में मध्य एशिया के संसाधन–संपन्न भूमि से घिरे देश स्थित हैं। एशिया के शाब्दिक चौराहे पर यह भौगोलिक स्थिति भारत को एशियाई सदी के निर्माण में एक संभावित धुरी बनाती है। एक ऐसा देश जिसमें पश्चिम एशिया के ऊर्जा आपूर्तिकर्त्ता पूर्वी एशिया के ऊर्जा उपभोक्ताओं को भोजन देते हैं और मध्य एशिया के संसाधन संपन्न लेकिन भूमि से घिरे देशों को भारत के हिंद महासागर में मौजूद दर्जनों बंदरगाहों के माध्यम से निर्यात बाजार मिलते हैं।

इसके अलावा, भारत पश्चिम से पूर्व और वीजा–विपरीत चलने वाले कुछ सबसे महत्वपूर्ण समुद्री वाणिज्य मार्गों (एस.एल.ओ.सी.) पर सवार है। इसके अलावा भारत का अंतिम छोर अंडमान निकोबार द्वीप समूह –इंदिरा प्वाइंट 6 डिग्री चौनल पर मलक्का जलडमरूमध्य से मात्र 675 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। हिंद महासागर क्षेत्र (आई.ओ.आर.) में चीन के सबसे महत्वपूर्ण एस.एल.ओ.सी. भी शामिल हैं। चीन का 75 प्रतिशत तेल आयात मध्य पूर्व और अफ्रीका से होता है। चीन प्रतिदिन 11.28 मिलियन बैरल से अधिक का तेल आयात करता है। भारत, चीन, रूस, जापान और दक्षिण कोरिया के बीच परस्पर क्रिया एशियाई शक्ति की गतिशीलता का आर्थिक आधार बनती है। निरूसंदेह एशिया में अन्य उभरती हुई शक्तियां भी हैं जिन्होंने अपने लिए महत्वपूर्ण स्थान बनाए हैं।

एशिया इस सदी में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था रही है और आने वाले दशकों तक भी यही स्थिति बनी रहेगी। एशियाई देशों के बीच व्यापार पिछली सदी की तिमाही में हर साल विश्व व्यापार की तुलना में तेजी से बढ़ा है जो आंशिक रूप से चीन की आक्रामक वृद्धि और आंशिक रूप से पूर्वी एशिया के बाजारों और आपूर्ति शृंखलाओं द्वारा प्रेरित है। लेकिन कहानी में एक बड़ा हिस्सा गायब है। अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए, एक एशियाई सदी को भारत को एक संयोजक के रूप में, उन वस्तुओं के प्रोसैसर के रूप में, जिनकी एशिया को आवश्यकता है, परिवहन और रसद, कुशल व्यापारिक बाजारों जैसी सेवाओं के प्रदाता के रूप में आवश्यकता है।

भारत की एशियाई क्षमता को साकार करने के लिए क्या आवश्यक है? भारत को अपने पड़ोसियों को खतरों की बजाय अवसरों के रूप में देखना शुरू करने के लिए मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता होगी। विश्वास की एक ऐसी छलांग जिसे बनाना जितना आसान है, कहना उतना आसान नहीं।इसके लिए एशियाई और हिंद महासागर के देशों के बीच प्रतिस्पर्धा की बजाय सहयोग की आवश्यकता होगी। भविष्य की एशियाई अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें बुनियादी ढांचा शामिल है जो एशिया को भारत के माध्यम से जोड़ेगा। नियामक ढांचे, अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन और सीमा समझौते आर्थिक क्षमता को शांतिपूर्ण ढंग से साकार करने की अनुमति देंगे।

यह भारत के वर्तमान जोर से एक बड़ा बदलाव होगा। वर्तमान में संयुक्त राज्य अमरीका और यूरोप इसके निर्यात के लिए भारत के सबसे बड़े और दूसरे सबसे बड़े बाजार हैं। भारत के व्यापार में एशियाई देशों की हिस्सेदारी हाल के वर्षों में उन देशों की आर्थिक वृद्धि के साथ बढ़ी है, लेकिन एशिया के केंद्र में भारत की क्षमता को पूरी तरह से महसूस करने के लिए बहुत अधिक संभावनाएं हैं और एक व्यवस्थित प्रयास की आवश्यकता है। भारत द्वारा आर.सी.ई.पी. से बाहर निकलने के बाद, पूर्वी एशिया में कई प्रमुख आवाजों ने निराशा व्यक्त की, लेकिन यह भी तर्क दिया कि एशियाई सदी किसी न किसी रूप में, भारत के साथ या उसके बिना, आगे बढ़ेगी। लेकिन भारत के बिना एशिया एक पूर्वी एशिया और एक पश्चिम में विभाजित है। भारत इन सभी को एक साथ लाता है और इसमें भारत की प्रतिभा निहित है।

हिंद महासागर पर 28 देशों की तटरेखा है। कुल मिलाकर, उनकी जी.डी.पी. लगभग 11 ट्रिलियन डॉलर है और आबादी लगभग 2.8 बिलियन है। इनमें मध्य एशिया के 6 भूमि से घिरे देशों को जोड़ें, जो एक विशाल संसाधन–समृद्ध क्षेत्र को कवर करते हैं और कम आबादी वाले हैं। मंगोलिया, रूस के साइबेरिया, साथ ही चीन को ङ्क्षहद महासागर और अरब सागर के माध्यम से ऊर्जा और संसाधन मार्ग होने से लाभ होगा। हिमालय एक दुर्गम वातावरण है जहां बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा सकता है, लेकिन ऐसा करने की तकनीक, जिसमें सुरंगों की बोरिंग भी शामिल है, अब काफी अच्छी तरह से विकसित हो चुकी है। लेकिन सबसे पहले, कनैक्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए एशिया को शांति सुनिश्चित करनी होगी। महान शक्ति प्रतिद्वंद्विता के वर्तमान भू–राजनीतिक माहौल में, यह तेजी से चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। लेकिन ऐसे ठोस कदम हैं जो भारत उठा सकता है। पहला है इसकी विवादित सीमाओं का निपटारा करना ताकि इसे इसके उत्तर से जोडने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण और रख–रखाव किया जा सके।

दूसरा यह सुनिश्चित करना कि हिंद महासागर की समुद्री सुरक्षा बाहरी लोगों की बजाय भागीदार एशियाई देशों की जिम्मेदारी है। तीसरा है भारत के बुनियादी ढांचे को सिर्फ भारत की बजाय एशिया को ध्यान में रखकर डिजाइन करना। इसके लिए भारत को केवल भारत की बजाय एशियाई आपूर्ति शृंखलाओं और बाजारों के संदर्भ में सोचने की आवश्यकता होगी और भारत को अपनी परियोजनाओं को अन्य देशों के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता हो सकती है जो इस क्षेत्र में तालमेल बिठाना चाहते हैं।

ऐसी महत्वाकांक्षी दृष्टि के निर्माण के लिए पूंजी पश्चिम और पूर्वी एशिया दोनों में उपलब्ध है और इसका लाभ पूरे महाद्वीप को दशकों में मिलेगा। हालांकि इस वैकल्पिक दृष्टि के लिए एशिया की संपूर्ण भू–राजनीतिक वास्तुकला की पुनरू कल्पना की आवश्यकता है। चीन की आक्रामकता और एशिया पर प्रभुत्व जमाने की चाहत का सामना करने पर भारत जाहिर तौर पर यह काम अकेले नहीं कर सकता।प्रमुख एशियाई शक्तियों को अपनी आने वाली पीढियों के लिए अधिक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य बनाने के लिए पीछे हटने और अपने संबंधित प्रक्षेप पथों का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है।

लघु कथा– समझौता

–डॉ. राजेन्द्र सिंह 'राही'–

यामिनी को मायके आये चार महीने से ज्यादा समय हो गया किन्तु सुधाकर ने एक बार भी फोन नहीं किया। यामिनी ने भी तय कर लिया था कि वह न तो फोन करेगी और न ही तब–तक ससुराल जायेगी, जब–तक सुधाकर शराब पीना नहीं छोड़ देता। हालांकि इतने दिनों में शायद ही कोई दिन ऐसा बीता हो, जब उसे सुधाकर की याद न आई हो। वह उसके बढ़ते दुर्व्यवहार से तंग आ चुकी थी। इधर सुधाकर आये दिन शराब के नशे में बेवजह यामिनी से लड़ता, गाली–गलौज करता और कभी–कभी हाथ भी उठा देता था। उसके बच्चे यह देखकर डरे सहमें से रहते थे। सुधाकर नौकरी पाने के कुछ समय बाद से ही शराब पीने लगा था, किन्तु यामिनी को इसकी जानकारी शादी के बाद हुई। तब यामिनी को सुधाकर से कोई परेशानी नहीं थी, क्योंकि वह उसे बहुत प्रेम करता था और उसका पूरा ध्यान रखता था। यामिनी भी सुधाकर के साथ बहुत खुश थी, यद्यपि वह चाहती थी कि सुधाकर शराब पीना छोड़ दे किन्तु यह जानकर कि अधिकारियों की आवभगत करने के लिए उसे कभी–कभी शराब पीना पड़ता है, उसने सुधाकर को टोकना बंद सा कर दिया। प्रारम्भ में तो सब कुछ ठीक–ठाक चलता रहा, लेकिन धीरे–धीरे सुधाकर की संगति बिगड़ने लगी। वह शराब का आदी बनता गया, जिससे उसके व्यवहार में भी परिवर्तन आने लगा। ड्यूटी से छूटने के बाद अपने दोस्तों के साथ शराब पीना उसकी दिनचर्या–सी हो गई। वह बिना शराब पीये घर नहीं आता था। यामिनी यह सोंचकर कि जल्द ही सब सामान्य हो जाएगा, कुछ दिनों तक तो अनदेखी करती रही लेकिन पानी सिर से ऊपर चढ़ता देख, उसने सुधाकर के शराब पीने पर टोकना शुरू कर दिया। इससे दोनों के बीच आये दिन टकराव बढ़ने लगा। यह टकराव धीरे–धीरे इतना बढ़ गया कि यामिनी और सुधाकर के मध्य प्रेम जैसे सपने की बात हो गई। यामिनी अब अपनी किस्मत को कोसने भी लगी, उसकी खुशियाँ धीरे–धीरे रात के सपने की तरह कहाँ गुम हो गई, उसे पता ही नहीं चला। सुधाकर के गलत आचरण से उसके माता–पिता भी दु:खी थे। वह उसे समझाने की कोशिश करते, किन्तु सुधाकर का गुस्सा देख शांत हो जाते। शुरु–शुरू में यामिनी बच्चों का मुँह देखकर सुधाकर की हर ज्यादतियां बर्दाश्त करती रही। यद्यपि उसने हर संभव प्रयास किया कि वह शराब पीना छोड़ दे और अपनी जिम्मेदारी समझे, किन्तु सुधाकर शराब का इस तरह आदती हो गया था कि उसके बिना रात बीतना संभव नहीं था। पड़ोस में भी इसकी चर्चायें होने लगी थी। यामिनी यह सब देख सुनकर बहुत परेशान रहने लगी। उसने अपनी माँ से सुधाकर की गलत आदतों एवं दुर्व्यवहार के विषय में जब भी कुछ कहा, उसकी माँ बच्चों की दुहाई देकर उसे ही समझाने लगती। यामिनी कुछ समझ नहीं पा रही थी कि वह क्या करे?। घर में सास–ससुर का व्यवहार उसके प्रति बहुत अच्छा था। यामिनी को उनसे कोई शिकायत नहीं थी, वह भी उनका बेटी की तरह पूरा ध्यान रखती थी। किन्तु सुधाकर, उसमें सुधार के कोई लक्षण नहीं दिखाई दे रहे थे। वह उसी तरह शराब के नशे में घर आता और यामिनी के कुछ बोलने पर उसे अपशब्द कहते हुए लड़ाई–झगड़ा करने लगता।

उस दिन तो हद हो गई, जब बेटे के जन्मदिन पर केक काटने के लिए पूरा घर सुधाकर की प्रतिक्षा कर रहा था और वह रोज की तरह शराब में डूबा हुआ घर आया, तो यामिनी से रहा नहीं गया। उसने जैसे ही कुछ पूछा, सुधाकर लाल–पीला होकर उसे अपशब्द कहने लगा। यामिनी का भी धैर्य टूट गया और बात बढ़ते–बढ़ते यहाँ तक पहुँच गई कि सुधाकर ने यामिनी पर हाथ उठा दिया। यामिनी की बर्दाश्त की सीमा अब समाप्त हो चुकी थी, वह तुरन्त अपने बच्चों के साथ मायके चली आई।

'यामिनी... अपने बच्चों को देख, उनके आगे के भविष्य के बारे में भी सोच। इस तरह चिंतित होने से जिन्दगी नही कटेगी।' यामिनी को समझाते हुए उसकी माँ ने कहा। यामिनी ने माँ की बात का कोई जवाब नहीं दिया। उसकी आँखें भरी–भरी थीं और वह किसी चिंता में खोई हुई कमरे की दीवार को एकटक निहार रही थी। माँ ने फिर कहा, ' देख बेटी, सुधाकर को इस तरह अकेला छोड़ना ठीक नहीं है, इससे वह और शराब का आदी बन जायेगा। कभी–कभी जीवन में ऐसी परिस्थिति आ जाती है जब हमारे पास उससे समझौता करने के सिवाय कोई और रास्ता नहीं रहता और...' माँ की बात पूरी होने से पहले ही यामिनी ने उनकी बात काटते हुए कहा, ष्माँ, मेरी जिन्दगी ही समझौता हो गई है। मैं जिस जिन्दगी को जी रही हूँ उसको सोंचकर सिहर जाती हूँ। मैंने हर परिस्थतियों से समझौता करने की बहुत कोशिश की, किन्तु मेरा भी आत्मसम्मान है।... मैंने तय कर लिया है कि जब–तक वो शराब पीना बंद नहीं करते मैं वहाँ नहीं जाऊँगी।ष षकिन्तु बेटी....ष माँ ने जैसे ही कुछ आगे कहना चाहा, यामिनी के फोन की घंटी बजने लगी। यामिनी ने जब देखा कि वह फोन उनके सासु माँ का है तो उसने उठा लिया। ष्हेलो बहू... जल्दी चली आओ... चंचल का एक्सीडेंट हो गया है..और वह... ।ष यामिनी अपनी सासु माँ से यह समाचार सुनते ही कांपने लगी। और किसी अनहोनी की आशंका कर रोते हुए कमरे की तरफ भागी और अपने कपड़े बैग में रखने लगी। उसकी माँ शुरू में कुछ समझ नहीं पाई किन्तु पूछने पर यामिनी ने सुधाकर के एक्सीडेंट और एक हास्पिटल के इमरजेन्सी वार्ड में भर्ती होने की बात बताई। यामिनी की माँ इस समाचार से बहुत दु:खी थी किन्तु उसे इस बात का संतोष भी था कि यामिनी अपनी जिद छोड़कर सुधाकर के पास जा रही थी।

प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा भारत –योगी

संवाददाता–देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में भारत ब्रिटेन को पछाड़कर विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बना था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल का एक अवसर दीजिए, भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। मुख्यमंत्री रविवार को देवरिया के चीनी मिल ग्राउण्ड में नारी शक्ति वंदन समारोह के दौरान 679 करोड़ की 673 परियोजनाओं के लोकार्पण/शिलान्यास के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा तो प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होगी। कोई दुश्मन देश इसकी तरफ टेढ़ी नजरों से देखने की हिम्मत नहीं कर सकेगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार एक तरफ जहां विकास के कार्य कर रही है, वहीं अपनी विरासत को संभाल रही है। बिना भेदभाव गरीबों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने पूछा कि सपा और कांग्रेस की सरकार होती तो क्या राम मंदिर बन पाता क्या? कहा कि यह आपके वोट की ताकत ही है कि पांच सदी का इंतजार समाप्त हुआ। अयोध्या में रामलला का आगमन हो गया। हमारे पूर्वजों का सपना सकार हुआ। अब वे इस पीढ़ी को आयुष्मान भव का आशीर्वाद दे रहे होंगे। अयोध्या में आज पांच लाख श्रद्धालु भी एक दिन में जाएंगे तब भी कोई समस्या नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवरिया संतों और ऋषियों की भूमि है। यहां देवरहा बाबा के नाम पर मेडिकल कॉलेज बना है। आने वाले दिनों में देवरहा बाबा आश्रम का सुंदरीकरण कराया जाएगा। यहां की चीनी मिलें औने–पौने दाम पर बेच दी गईं। चीनी मिल की जमीन का मामला कोर्ट में है। जैसे ही मामला निस्तारित होगा, यहां शुगर कॉम्प्लेक्स बनाएंगे। इसके लिए पैसा रखा हुआ है। उन्होंने कहा कि कुशीनगर में कृषि विश्वविद्यालय का शिलान्यास हो रहा है। आने वाले दिनों में देवरिया में कृषि डिग्री कॉलेज स्थापित किया जाएगा।

शैक्षणिक भ्रमण पर निकले बच्चों को बीईओ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

संवाददाता–देवरिया। एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम के तहत को बेसिक शिक्षा विभाग के बच्चे गोरखपुर के लिए रवाना हुए। भटनी विकास खंड के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था। जिसमें चयनित करीब सौ बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए रविवार को रवाना किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार यादव ने बच्चों के बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें डेढ़ सौ से अधिक बच्चों ने प्रतिभाग किया था। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया था। रविवार को चयनित सौ से अधिक बच्चों को तीन बस से गोरखपुर भ्रमण के लिए भेजा गया।बीईओ ने बच्चों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान बीईओ ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरुप बच्चों को एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम के तहत भ्रमण पर भेजा गया है। शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों स्थलीय ज्ञान के साथ सामाजिक ज्ञान का भी विकास होता है। बच्चों को गोरखनाथ मंदिर, तारा मंण्डल, रामगढ़ ताल, चिड़ियाघर आदि का भ्रमण कराया जाएगा। एआरपी जेपी चौरसिया, विशाल सिंह, इजहार अहमद, ब्रजेश कुमार यादव, शरद मिश्र, ममता वर्मा आदि बच्चों के साथ भ्रमण पर निकले।

नरेन्द्र मोदी के बाद योगी आदित्यनाथ हो देश के प्रधानमंत्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या के श्री राघव मंदिर में विश्व हिंदू महासंघ मातृशक्ति का दो दिवसीय प्रदेश सम्मेलन का हुआ समापन। सम्मेलन के दूसरे दिन सुबह सैकड़ो की संख्या में मातृ–शक्तियों सामूहिक रूप से श्री राम लला का दर्शन किए और उसके उपरांत मंदिर प्रांगण में सम्मेलन का शुभारंभ हुआ जिसमें कई प्रस्ताव पास हुए और यह भी निर्णय लिया गया कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रिटायरमेंट होंगे तो उसके उपरांत गोरक्ष पीठाधीश्वर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देश का प्रधानमंत्री बनाया जाए क्योंकि योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को महिलाओं के शोषण से मुक्त किया है आज महिलाएं कहीं भी किसी भी समय आ जा सकती हैं किसी की हिम्मत नहीं कि उन्हें कुछ कह दे अगर वह देश के प्रधानमंत्री बनेंगे तो निश्चित ही पूरे देश में मातृशक्ति की शक्ति और बढ़ेगी।

सम्मेलन के मुख्यातिथि भिखारी प्रजापति का मातृशक्ति ने स्वागत किया और कहा कि आज प्रदेश में विश्व हिंदू महासंघ घर–घर तक पहुंचने में कामयाब हो रहा है। मातृशक्ति प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती संतोष मिश्रा ने कहा कि योगी और मोदी के समय में महिलाओं की शक्ति बढ़ी है और महिलाएं भय मुक्त होकर आज देश में विचरण कर रही हैं हर क्षेत्र में महिलाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी जी की देन है कि वर्तमान समय में महिला आरक्षण बिल पास हुआ और जितने भी घर दिए गए उसकी मलिक 80 प्रतिशत महिलाएं हैं तीन तलाक कानून बनाकर के हमारे दबी कुचली मुस्लिम बहनों को भी राहत देने का कार्य किए हैं इसलिए 24 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उसके बाद हमारे प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ देश की कमान संभाले यही हम लोगों की इच्छा है। मातृशक्ति प्रदेश महासचिव रेखा श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाएं ऑटो रिक्शा से लेकर के एयरप्लेन तक चल रहे हैं बॉर्डर पर मुस्तैदी के साथ पुरुष वर्ग के साथ कंधा से कंधा मिलाकर के सीमा की रक्षा कर रही है वर्तमान समय में महिलाएं किसी क्षेत्र में पीछे नहीं है यह हमारे देश की मुखिया नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ की देन है। मातृशक्ति सम्मेलन में अयोध्या गोंडा वाराणसी गोरखपुर लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों से सैकड़ो की संख्या में महिलाएं सम्मिलित हुई और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

एसपी ने दिए क्रिटिकल बूथों के निरीक्षण के निर्देश

संवाददाता–श्रावस्ती। कानून व्यवस्था बनाए रखने और लोकसभा चुनाव व त्योहारों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए रविवार को सैनिक सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में एसपी ने पहले पुलिस कर्मचारियों से उनकी समस्या की जानकारी ली और अतिसंवेदनशील बूथों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया।

सैनिक सम्मेलन का आयोजन पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय सभागार में हुआ। इस दौरान एसपी ने बीट पुलिस आरक्षियों से चुनाव की तैयारियों को लेकर बीट क्षेत्र के बारे में जानकारी ली। थाना भिनगा क्षेत्र से आरक्षी संजीव भारती, आरक्षी राजू सिंह की ओर से क्षेत्र के सक्रिय अपराधियों तथा क्षेत्र में पड़ने वाले मतदान केन्द्रों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई। एसपी ने आगामी त्योहारों पर शांति बनाए रखने के लिए निरीक्षण करने का निर्देश दिया। चुनाव व त्योहार को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर बैरियर लगाकर चेकिंग करने, मादक पदार्थ की तस्करी करने वालो विरुद्ध कार्रवाई करने के साथ–साथ कच्ची शराब पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए। अपराध समीक्षा के दौरान लम्बित प्रार्थना पत्रों के निस्तारण करने को निर्देशित किया। नकबजनी, लूट आदि गंभीर अपराधों में प्रकाश में आए अपराधियों तथा हिस्ट्रीशीटरों का भौतिक सत्यापन करने के साथ ही गुमशुदा, अपहृत व अपहृता की शीघ्र बरामदगी करने को निर्देशित किया। इस मौके पर एएसपी प्रवीण कुमार यादव, सीओ भिनगा अतुल कुमार चौबे, सीओ इकौना सन्तोष कुमार आदि मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने एयरपोर्ट का किया लोकार्पण, हवाई सेवा की सौगात, 500 बीघा जमीन होगी अधिग्रहण डीएम ने लिया जायजा

संवाददाता–श्रावस्ती। पीएम मोदी ने एयरपोर्ट का लोकार्पण किया। इसका विस्तार करके यूपी के इस जिले को हवाई सेवा देने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए जमीन अधिग्रहण करने को अंतिम रूप दिया जा चुका है। पीएम मोदी ने रविवार को श्रावस्ती जिले के एयरपोर्ट का लोका अर्पण किया। इस हवाई अड्डे का बलरामपुर में विस्तार करने की तैयारी तेजी से चल रही है। करीब 500 बीघा से अधिक जमीन चिन्हित कर इसके अधिग्रहण को अंतिम रूप दिया जाना है। जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने चिन्हित स्थल का निरीक्षण कर इसमें पड़ने वाले मकान और पेड़ों के मूल्यांकन करने के निर्देश दिए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वर्चुअल श्रावस्ती एयरपोर्ट का लोकार्पण किया। श्रावस्ती के साथ ही साथ जनपद बलरामपुर को भी हवाई सेवा सुविधा की सौगात मिलेगी। जिले में श्रावस्ती एयरपोर्ट के विस्तार हेतु राजस्व ग्राम बगाही व उसी का पूर्व एलहवा में 40.5 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण 1070 खातेदारों से किया जाएगा। श्रावस्ती एयरपोर्ट का विस्तार जनपद में किए जाने हेतु भूमि अधिग्रहण को अंतिम रूप दिए जाने का डीएम श्री अरविंद सिंह द्वारा नियमित समीक्षा की जा रही है। इसी के क्रम में डीएम ने चिन्हित भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व ग्राम का नक्शा देखा एवं भूमि अधिग्रहित किए जाने को विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने भूमि अधिग्रहण में आने वाले सभी मकानों एवं पेड़ो का मूल्यांकन करते हुए खातेदारों से बैनामा कराए जाने की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ किए जाने का निर्देश दिया। पीडब्ल्यूडी के सड़क का भी मूल्यांकन का लिए जाने एवं सड़क के लिए जगह भी चिन्हित कर लिए जाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर एसपी केशव कुमार,एसडीएम सदर राजेंद्र बहादुर व अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अपहृता सकुशल बरामद आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने अपहृता को सकुशल बरामद करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हरदत्त नगर गिरंट थाने में अपहरण का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस अपहृता को बरामद करने व आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए जांच कर रही थी। रविवार को थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्निहोत्री ने टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर इमलिया चौराहे के पास से अपहृतर करे बरामद करते हुए आरोपी बदरे आलम उर्फ शहजाद पुत्र हजरत अली निवासी ग्राम लखैया थाना मटेरा जनपद बहराइच को गिरफ्तार कर लिया।

घायल लेखपाल संघ अध्यक्ष की लखनऊ में मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। शनिवार को सड़क हादसे में घायल लेखपाल को लखनऊ में भर्ती कराया गया था। लखनऊ में इलाज के दौरान घायल लेखपाल की मौत हो गई। लेखपाल की मौत से घर में मातम छाया हुआ है। सोनवा थाना क्षेत्र के हरिहरपुर निवासी लेखपाल अन्नतराम (54) पुत्र राम फेरन भिनगा तहसील क्षेत्र में तैनात थे। शनिवार को वह सिरसिया थाने में आयोजित थाना दिवस में बुलेट से आ रहे थे। सोनवा स्टोर के पास पहुंचते ही बहराइच की ओर से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी जिसमें लेखपाल अनन्तराम गंभीररूप से घायल हो गए थे। आनन फानन में घायल को जिला अस्पताल बहराइच में भर्ती कराया गया जहां हालत गंभीर देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया गया था। परिजनों की ओर से लखनऊ के सहारा हास्पिटल में भर्ती कराया गया जहां इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान घायल लेखपाल अनन्तराम की मौत हो गई। लेखपाल की मौत से घर में मातम पसर गया है। बताया जाता है कि अनन्तराम लेखपाल संघ के अध्यक्ष थे। पहले उनकी तैनाती जमुनहा तहसील क्षेत्र में थी और कुछ महीने पहले ही उनका स्थानांतरण भिनगा तहसील क्षेत्र में हुआ था।

बाइक की डिग्गी से 6 लाख का आभूषण चोरी

संवाददाता–देवरिया। बाइक की डिग्गी खोल एक सराफा का छह लाख का सोने व चांदी का आभूषण चोरी चला गया। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गौरीबाजार के सवना लक्ष्मण गांव निवासी रंजीत वर्मा पुत्र पारस वर्मा गौरीबाजार–हाटा मार्ग पर वकीलगंज चौराहे पर किराए की मकान में ज्वेलरी की दुकान खोल रखे हैं। शनिवार शाम दुकान बंद कर करीब 5 लाख का सोने का आभूषण व एक लाख के चांदी का आभूषण बाइक की डिग्गी में रख लिए। दुकान के सामने बाइक खड़ी कर कुछ सामान लेने गए इसीबीच किसी ने डिग्गी खोल आभूषणों से भरा बैग लेकर फरार हो गया।

पावर एंजेल के नेतृत्व में होगा बालिका सशक्तिकरण

संवाददाता–बहराइच। ब्लाक संसाधन केंद्र नवाबगंज में पावर एंजेल सशक्तिकरण एवं नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए तीन दिवसीय सुगमकर्ता प्रशिक्षण कराया गया। जिसमें कंपोजिट,उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं केजीबेबी के शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। संदर्भदाता श्वेता वर्मा तथा राकेश कुमार मौर्य की ओर से पोषण, जेंडर लिंग भेद, स्वास्थ्य शिक्षा, माहवारी विद्यालय में ठहराव नामांकन प्रवेश से सामंजस्य बाल विवाह विद्यालय प्रबंधन, आपदा प्रबंधन तथा जलवायु परिवर्तन इन विषयों पर कहानियां तथा रोचक नाट्य मंचन द्वारा प्रशिक्षण करवाया।

शारीरिक क्रियाविधि गतिविधियों एवं पाठ्यक्रम से जोड़कर उपयुक्त विषयों को सीखने का प्रशिक्षण भी दिया गया। संदर्भदाता संदीप मल्होत्रा ने प्रगति के पंख के 12 सत्रों पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के समापन दिवस पर बीईओ राधेश्याम वर्मा ने कहा कि सभी शिक्षक अपने–अपने विद्यालय में कक्षा छह से आठ तक बालिकाओं को पावर एंजेल बनाने के लिए तथा मीना मंच और पावर ऐंजल मिलकर प्रगति के पंख में दिए गए सत्रों को प्रत्येक शनिवार को संचालित करेंगे, जिससे बच्चों का विद्यालय में ठहराव और आउट आफ स्कूल बच्चों का विद्यालय में पुनः प्रवेश संभव होगा।

पयागपुर में दो दिवसीय फागुन महोत्सव 20 से

संवाददाता–बहराइच। पयागपुर में खाटू श्याम फागुन महोत्सव 20 एवं 21 मार्च को आयोजित होगा। मंदिर प्रांगण में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की तैयारी को अंतिम रूप दिया गया। प्रवक्ता कुंज बिहारी शर्मा ने बताया की फागुन शुक्ल एकादशी को दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। एकादशी 20 मार्च को रात्रि जागरण का आयोजन किया गया है, जिसमें गायक कलाकार द्वारा खाटू श्याम प्रभु के भजन प्रस्तुत करेंगे। 21 मार्च को शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें 501 श्रद्धालु निशान ध्वज लेकर यात्रा निकालेंगे। शोभायात्रा त्रिदेव मंदिर से शुरू होकर भूपगंज बाजार के विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस मंदिर पर पहुंचेगी। इसके अलावा श्रद्धालु विशेश्वरगंज, गंगवल, बस स्टैंड कोट बाजार एवं अन्य सुदूर अंचलों से भी शोभायात्रा में शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें समिति के राम प्रसाद शर्मा, श्याम सुंदर अग्रवाल, मनोज अग्रवाल,अवनीश पंसारी, राहुल बगड़िया, विष्णु मित्तल, संतोष, रितेश बगड़िया, संतोष रस्तोगी एवं रामकुमार मिश्र समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

सड़क पटरी पर खड़ी ट्राली से टकराई बाइक, दो की मौत एक घायल

संवाददाता–बलरामपुर। अनियंत्रित बाइक सड़क पटरी पर खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। बाइक सवार दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल चालक युवक को इलाज के लिए बस्ती ले जाया गया है। दुर्घटना स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत बिस्कोहर सिद्धार्थनगर जाने वाले मार्ग पर गोविंदपुर गांव के निकट शनिवार रात दस बजे हुई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। दिलीप जायसवाल (52), चन्द्रभान (32) पुत्रगण झिनकू निवासीगण नरखोरिया थाना सोनहा जिला बस्ती व इटवा बाजार सिद्धार्थनगर के 65 वर्षीय किशोरी जायसवाल पुत्र बाबूराम एक बाइक पर सवार होकर शक्तिपीठ देवीपाटन तुलसीपुर जा रहे थे। बताया जाता है कि उन्हें रविवार को देवीपाटन में मुंडन कार्यक्रम में शामिल होना था। पीछे टैम्पो में बैठकर नरखोरिया गांव की महिलाएं भी मुंडन के लिए तुलसीपुर जा रही थीं। गोविंदपुर गांव के निकट सड़क पटरी पर भारत ब्रिकफील्ड भट्ठे की ट्रैक्टर ट्राली खड़ी थी। उसका चालक गोमदापुर गांव में वैवाहिक कार्यक्रम में नृत्य देखने चला गया था। चन्द्रभान की बाइक अनियंत्रित होकर ट्राली से टकरा गई। किसी ने भी हेलमेट नहीं लगाया था। तीनों का सिर फट गया और वे जमीन पर गिर गए। ग्रामीणों ने पुलिस की मदद से एंबुलेंस बुलाकर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नंदनगर ठठिया भेजा। चिकित्सक ने दिलीप जायसवाल व किशोरी जायसवाल को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची महिलाएं घायल चन्द्रभान को बस्ती लेकर चली गईं। गौरा चौराहा के प्रभारी निरीक्षक तेज नरायन गुप्ता ने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली व बाइक को कब्जे में ले लिया गया है। रविवार को शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। बाइक के ट्राली से टकराने पर धमाका जैसा हुआ था। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। गोविंदपुर के लोगों को लगा कि कही शादी में गोला दागा गया है। राहगीरों ने घायलों की चीखें सुनीं तो वे रुक गए। पास जाकर देखा तो वहां का दृश्य भयावह था। सिर फटने के कारण एक व्यक्ति का भेजा निकल आया था। राहगीरों के गोहार लगाने पर गोविंदपुर के तमाम लोग घटना स्थल पर पहुंच गए। गश्त पर निकले दो सिपाही भी मौके पर आ गए। एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि दुर्घटना के बाद सीएचसी में पहुंची महिलाओं का रो–रोकर बुरा हाल था। उन्हें शनिवार रात शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर के धर्मशाला में रुकना था। सुबह दर्शन पूजन के बाद बच्ची का मुंडन होना था। महिलाएं कह रही थीं कि दिलीप की इच्छा सूर्यकुंड में स्नान करने की थी। वह हर साल नवरात्रि में माता पाटेश्वरी का दर्शन करने आते थे। इसी तरह किशोरी भी मंदिर में दर्शन को लेकर काफी उत्साहित थे। दुर्घटना में बड़े भाई की मौत के बाद गंभीर रूप से घायल चन्द्रभान काफी घबराए हुए थे। बड़े भाई की मौत को उनसे छिपाया जा रहा था। वह बार–बार भैय्या–भैय्या कहकर चीख रहे थे। महिलाओं ने हालत खराब देखी तो चन्द्रभान को एंबुलेंस बुलाकर बस्ती ले गईं।

प्राकृतिक खेती के गुर सीखकर लौटे सहारनपुर के किसान

संवाददाता–बहराइच। सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आतमा) योजना के तहत सहारनपुर के जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र की प्रेरणा से 31 किसानों का दल रविन्द्र बर्नवाल प्रभारी आत्मा के नेतृत्व में बहराइच आया। किसानों ने बहराइच व नानपारा कृषि विज्ञान केन्द्र और प्रगतिशील कृषकों के फार्म पर भ्रमण कर नवीनतम तकनीक और नवाचार से रूबरू हुए। किसानों का दल मिहींपुरवा विकास खण्ड के प्रगतिशील किसान शिवशंकर सिंह के फार्म पर प्राकृतिक विधि से उत्पादित काला नमक धान के विषय में जानकारी लिया। प्राकृतिक विधि से लगे गेहूं की फसल को देखकर जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल से सम्मानित नैनिहा के किसान राम प्रवेश मौर्य के खेत के फसल को देखकर खरीफ के प्याज के विषय में जानकारी लिया। उनके आमदनी का मुख्य स्रोत सब्जी की नर्सरी को देखकर नर्सरी लगाने की विधि, प्राकृतिक रूप से उपचार, गुणवत्तापूर्ण नर्सरी तैयार कर बिक्री के विषय पर चर्चा की। किसानों ने प्राकृतिक खेती के फार्म को देखकर सह फसल, बागवानी में हल्दी, अदरख, जिमीकंद, मसाले की फसलों के विषय में चर्चा किया।

विश्व का युवा राम के लिए राम की ओर दौड़ रहा है– महंत गिरीशपति त्रिपाठी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या धाम में रन फार राम मैराथन में दौड़े देश और विदेश के धावक। दौड़ प्रतियोगिता ब्रह्म मुहूर्त में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुसांगिक संगठन क्रीड़ा भारती तथा अयोध्या नगर निगम के तत्वावधान में आयोजित रन फॉर राम मैराथन प्रतियोगिता का आरंभ पवन पुत्र हनुमान जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण करने के उपरांत प्रांत प्रचारक कौशल, नगर निगम के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्र, विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह, नारायण सिंह राणा, अवनीश, सुधा सिंह , भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव सिंह महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, डॉ अवधेश वर्मा ने ध्वज दिखाकर किया। सर्वप्रथम 21 किलोमीटर तथा 10 किलोमीटर दौड़ की प्रतियोगिता प्रातः 6 बजे शुरू हुई तथा तीन किलोमीटर दौड़ की प्रतियोगिता 7:30 बजे प्रारंभ हुई और 10 किलोमीटर महिला दौड़ का प्रथम पुरस्कार 51000 तमसी सिंह मिर्जापुर 36.24 मिनट , दूसरा पुरस्कार 21000 ज्योति चौहान महाराष्ट्र 38.26 मिनट व तीसरा पुरस्कार 11000 दीपू कश्यप 39.12 मिनट एवं 10 किलोमीटर पुरुष दौड़ का प्रथम पुरस्कार अभिषेक कुमार हापुड़ 30.14 मिनट, द्वितीय पुरस्कार अजय कुमार दिल्ली 30.17 मिनट व तृतीय पुरस्कार पंकज कुमार 30.28 बनारस यूं पी पुलिस एवं 21 किलोमीटर हाफ मैराथन महिला का

प्रथम पुरस्कार डेढ़ लाख रुपए सोनिया हरियाणा एक घंटा 12 मिनट 43 सेकंड, दूसरा पुरस्कार 75000 बीनू सिंधु एक घंटा 15 मिनट 6 सेकंड वह तीसरा पुरस्कार 51000 नीतू कुमारी यूपी पुलिस एक घंटा 17 मिनट 16 सेकंड के साथ 21 किलोमीटर पुरुष रेस का प्रथम पुरस्कार रंजीत कुमार पटेल बनारस एक घंटा 3 मिनट 37 सेकंड, द्वितीय पुरस्कार प्रिंस राज यादव अयोध्या एक घंटा 4 मिनट 12 सेकंड तथा तृतीय पुरस्कार अनिल पटेल बनारस एक घंटा 5 मिनट 29 सेकंड को दिया गया। पुरस्कार वितरण के बाद खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि आध्यात्मिक वैभव की ओर अग्रसर अयोध्या की संस्कृति खेल के माध्यम से पूरी दुनिया के सामने आना चाहिए। आज पूरी दुनिया के युवा राम के लिए राम की ओर दौड़ना शुरू कर चुके हैं। राम की ओर दौड़ने से आपकी सारे पाप नष्ट हो जाते हैं।प्रांत प्रचारक कौशल जी जीने प्रतियोगियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रतियोगिता के आरंभ में जब भी लगता था की काफी परेशानी होने वाली है तब तब मेरे मन में आता था कि राम का नाम लो सारी परेशानियां दूर हो जाएंगी। विभिन्न झंझावात से गुजरते हुए यह प्रतियोगिता पूरे देश ही नहीं वरन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को भी आकर्षित करती हुई दिखाई पड़ी।प्रतियोगिता सकुशल संपन्न कराने में नगर निगम द्वारा स्वच्छता की चाक चौबंद व्यवस्था, जगह–जगह पर जल वितरण तथा विभिन्न संस्थाओं द्वारा प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागियों को श्री राम जन्म भूमि का प्रसाद, तथा ठोस जलपान की व्यवस्था की गई थी।इस अवसर पर प्रतियोगिता के दौरान कर्नल प्रणय सिंधु पांडे, जेएसडब्ल्यू के जतिन सिंह, लगातार 24 दिन तक 55 किलोमीटर प्रतिदिन दौड़ लगाने वाली आशा सिंह, सहायक नगर आयुक्त अशोक कुमार गुप्ता, श्रीनिवास शास्त्री, अवनी कुमार शुक्ला, सुनील कुमार अवस्थी, निरंकार पाठक, राहुल सिंह, अभय यादव डॉक्टर विशाल, शिव मोहन जी इत्यादि लोग उपस्थित हुए।

मानक विहीन सड़क निर्माण से ग्रामीणों में आक्रोश

संवाददाता–श्रावस्ती। लोगों को सुगम आवागमन के लिए सरकार सड़क निर्माण में पानी की तरह पैसा खर्च कर रही है। वहीं जिम्मेदार सड़क निर्माण में मानक की धज्जियां उड़ाने से बाज नहीं आ रहे। सिरसिया क्षेत्र में बन रही मानक विहीन सड़क को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है।

सिरसिया विकास क्षेत्र के लक्ष्मनपुर बेचईपुरवा से मोतीपुर बड़रहवा मार्ग की सड़क काफी बदहाल हो गई थी। सड़क जगह जगह गड्ढे में बदल चुकी थी और लोगों को आने जाने में समस्या हो रही थी। जनप्रतिनिधियों की मांग पर सरकार की ओर से नई सड़क निर्माण को हरी झंडी मिल गई तो सड़क का निर्माण शुरू हो गया। इस समय इस मार्ग की सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण में मानक की अनदेखी किए जाने पर ग्रामीण आक्रोशित हैं। रविवार को दर्जनों की संख्या में ग्रामीण सड़क निर्माण स्थल पर पहुंचे और प्रदर्शन कर निर्माण की जांच कराए जाने की मांग की। ग्रामीणों की माने तो पुरानी सड़क को पहले उजाड़ना चाहिए। इसके बाद सड़क की सफाई कर गिट्टी व तारकोल का प्रयोग होकर ऊपर से गिट्टी डालने के बाद उसकी रोलिंग की जानी चाहिए। जिससे सड़क मजबूत बने और टिकाऊ रहे। ग्रामीणों को आरोप है कि पुरानी सड़क को बिना उजाड़े ही ऊपर से गिट्टी डालकर नई सड़क बनाई जा रही है। सड़क पर पड़ी धूल तक साफ नहीं किया जा रहा है। डामर की जगह केमिकल डाल महज खानापूर्ति की जा रही है। इससे सड़क एक ओर बन रही है तो दूसरी ओर उजड़ रही है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से निर्माण की टेक्निकल जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान भाकियू कार्यकर्ता अखिलेश कुमार, संजय कुमार, कौशल किशोर, भूपेन्द्र कुमार, रमेश कुमार, श्रीनिवास, संतोष, रामकुमार आदि लोग मौजूद रहे। एसके हरित, अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी ने कहा कि एई को भेज कर सड़क निर्माण की जांच कराई जाएगी। जांच में यदि अनियमितता मिली तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई होगी।

आरोग्य मेले में इलाज को पहुंचे 90 मरीज

संवाददाता–श्रावस्ती। सिरसिया विकास क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लक्ष्मनपुर बाजार में रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ मेले का आयोजन किया गया। मेले में 90 मरीज इलाज कराने व स्वास्थ्य परामर्श लेने पहुंचे।

तस्करी कर ले जा रहे पशुओं से भरा ट्रक खराब, बीच सड़क पर ट्रक छोड़ भागे तस्कर

संवाददाता–देवरिया। तस्करी कर रामजानकी मार्ग के रास्ते पशुओं को बंगाल ले जा रहे तस्करों की ट्रक रविवार की सुबह छह बजे लार के सुकठ मोड़ पर अचानक खराब हो गई। इसके बाद तस्कर ट्रक छोड़ फरार हो गए। ट्रक के अंदर ग्रामीणों ने देखा तो क्रूरता पूर्वक गोवंश लदे थे। इसकी सूचना लोगों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ट्रक को ट्रैक्टर से टोचन कर थाने लेकर पहुंची। जहां पशुओं को उतारा जा रहा है। पुलिस के मुताबिक 20 से अधिक पशु हो सकते हैं। इसके अलावा पुलिस ट्रक के नंबर से तस्करों को ट्रेस करने में जुट गई है। उधर ग्रामीण पुलिस पर गोवंश तस्करी कराने का आरोप लगा रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक कपिल देव चौधरी ने बताया कि गोवंश लदे ट्रक को कब्जे में लेकर पशुओ को उतरवाया जा रहा है। पशु कितने हैं इसके बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मौके पर पशु चिकित्सक को बुलाया गया है। सीओ दीपक शुक्ला ने बताया की मामला संज्ञान में है।

नगर निगम की विकास योजनाओं का लोकार्पण, शहरों का स्मार्ट होना जरूरी –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वयं और अपने शहर को स्मार्ट बनाने के लिए टेक्नोलॉजी को अपनाना आज के दौर की सबसे बड़ी आवश्यकता है। खुद को टेक्नोलॉजी से जोड़ते हुए गोरखपुर ने सफाई, स्ट्रीट लाइट, पेयजल के साथ ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था की मॉनिटरिंग करने के लिए नगर निगम में इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर स्थापित किया है। इससे गोरखपुर भी स्वयं को भी स्मार्ट सिटी का पाएगा। सीएम योगी रविवार शाम प्री होली गिफ्ट के रूप में गोरखपुर नगर निगम की 482 करोड़ रुपये की 253 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करने के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर का उद्घाटन, गोरखपुर न्यूज लेटर का विमोचन तथा 34 सफाई वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें प्रयास करना चाहिए कि हमारा देश और हमारे शहर स्मार्ट स्मार्ट लगें। हमें दुनिया की तरफ न देखना पड़े बल्कि दुनिया हमारे शहरों से सीखे। इज ऑफ लिविंग के लिए शहरों को स्मार्ट बनाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 8 वर्ष पूर्व ही कहा था कि शहरों के पास इसका एक मॉडल होना चाहिए। गोरखपुर ने सेफ सिटी के मामले में उत्कृष्ट कार्य किया है। यहां समाज के सभी वर्गों के सहयोग से हजारों कैमरे लग गए हैं। एक तिनका भी कहीं उठेगा तो पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले लोग कचरा सड़क पर फेंक देते थे लेकिन अब सीसीटीवी कैमरे से वे पकड़ में आ जाएंगे। सीएम योगी ने गोरखपुर में टूलेन और फोरलेन सड़कों की श्रृंखला का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार 50 साल की गारंटी वाली सड़कें बनवा रही है। उन्होंने कहा कि टाउनहॉल से होते हुए रेती रोड, गीता प्रेस तक तथा आर्यनगर से र्मशाला आदि क्षेत्रों की सड़कें भी चौड़ी की जाएंगी। साथ ही हाबर्ट बंधा, माधोपुर तटबंध से चौड़ा करते हुए इसे सोनौली मार्ग से जोड़ दिया जाएगा। एचएन सिंह चौराहा से हड़हवा फाटक होते हुए गोरखनाथ मंदिर तक फिर सड़क भी टूलेन/फोरलेन होने जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी गोड़ध्‍ोइया नाला की वजह से आधा शहर चोक हो जाता था। आज उस नाला का रामगढ़ताल की तरह ऐसा कायाकल्प हो रहा है कि वहां लोग सेल्फी लेने जाएंगे। गोड़धोइया नाला को नदी के स्वरूप में विकसित किया जाएगा और यह धरती का स्वर्ग लगेगा। इसके दोनों तरफ पौधरोपण कर इसके आसपास के क्षेत्र को हरामरा बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शहर की सुंदरता में रामगढ़ताल की चर्चा करते हुए कहा कि जो रामगढ़ताल7 साल पहले गंदगी और अपराध का गढ़ था, जिसके समीप सर्किट हाउस में किसी वीआईपी को ठहराने से पहले पीएसी लगानी पड़ती थी, वह आज सेल्फी और शूटिंग के केंद्र बन गया है। भोजपुरी के सुपरस्टार रविकिशन इस ताल के पास मकान बनवाकर रह रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि आज गोरखपुर के पास सबकुछ है। इसे संजोने और संवारने का काम नगर निगम का है। उन्होंने कहा कि हर जनप्रतिनिधि और आम नागरिक भी अगर संरक्षण के इस दायित्व से जुड़ जाएं तो यह शहर स्वच्छ सुंदर और स्मार्ट दिखेगा तथा यहां आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने अपनी विधायक निधि का पैसा शहर में कन्वेंशन सेंटर बनाने के लिए दे दिया है ताकि जरूरतमंद लोगों को सस्ते में मैरिज हाल का विकल्प मिल सके। गोवंश को सुरक्षित रखने के लिए तालनदोर में एक गोशाला बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि इज ऑफ लिविंग के लिए आज सरकार ने स्वच्छ वातावरण, शुद्ध पेयजल, स्ट्रीट लाइट, गरीबों के लिए मकान, मुफ्त राशन, स्वास्थ्य सुरक्षा, स्वच्छ ईंधन आदि के क्षेत्र में बड़े काम किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर कंक्रीट का जंगल नहीं दिखना चाहिए। जरूरी है कि इसे सुंदर बनाने के लिए अधिकाधिक पौधरोपण किया जाए। उन्होंने सभी पार्षदों से अपील की कि वे आने वाले वन महोत्सव में अपने वार्ड की खाली जमीनों पर पौधरोपण और लगाए गए पौधों का संरक्षण करें।

कार्यक्रम में सांसद रविकिशन शुक्ला ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ साल के सभी 365 दिन जनहित के कार्यों में ही व्यस्त रहते हैं। सांसद के रूप में उन्होंने जनता के लिए अनेक आंदोलन किए तो मुख्यमंत्री बनने के बाद सात साल से लगातार विकास और जन कल्याण ही उनकी प्राथमिकता है। स्वागत संबोधन महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव तथा आभार ज्ञापन गोरखपुर ग्रामीण के विधायक विपिन सिंह ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, राजेश त्रिपाठी, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, पूर्व महापौर सीताराम जायसवाल, अंजू चौधरी, डॉ. सत्या पांडेय, भाजपा के जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, नगर निगम के उपसभापति धर्मदेव चौहान आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर के युवक का अपहरण कर संतकबीरनगर में हत्या

संवाददाता–संतकबीरनगर। सिद्धार्थनगर के एक युवक की लाश रविवार को संतकबीरनगर के बेलहर थाना क्षेत्र के राजघाट पुल के पास बरामद हुई। बेलहर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में बेलहर थाना क्षेत्र के मीरापुर के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। बेलहर थाना प्रभारी सुश्री सरोज शर्मा ने बताया कि राजपुल के नीचे बूधा नाले के पास एक युवक का शव बरामद हुआ। उसकी पहचान सिद्धार्थनगर जिले के खेसरहा थाने के बौड़िहार निवासी रोहित लोधी (22) पुत्र तुलसी राम के रूप में हुई। सिद्धार्थनगर की खेसरहा पुलिस घटना में शामिल एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर कार्रवाई कर रही है। शव पोस्टमार्टम के भेज लिए दिया गया है। रोहित के पिता तुलसी राम ने बताया कि बेलहर थाना क्षेत्र के मीरापुर का रहने वाला रामतौल पुत्र बलिराम व अन्य साथी उसके बेटे रोहित को शनिवार देर शाम जबरन पकड़ लाए। इस बात की जानकारी खेसरहा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस युवक की तलाश करती रही। रविवार सुबह शव बेलहर थाना क्षेत्र राजघाट बूधा नदी के पास उसका शव मिला। मृतक की मां, पत्नी और भाइयों का रो–रोकर बुरा हाल है। रोहित सबसे बड़ा लड़का था।

सड़क निर्माण में अवरोध पर डीएम से शिकायत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के मेंहदावल के सांड़े कला गांव में मनरेगा योजना से स्वीकृति रास्ते का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसको लेकर गांव के एक व्यक्ति ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर अवरोध को दूर कराने की मांग किया है। शिकायती पत्र में सांड़े कला गांव निवासी जगदम्बिका मणि त्रिपाठी ने लिखा उनके घर आने–जाने एक रास्ता था जिसे गांव के कुछ लोगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है। पूर्व में क्षेत्र पंचायत सदस्य द्वारा रास्ते पर मिट्टी का कार्य कराया गया था। वर्तमान में इस रास्ते का मनरेगा योजना से निर्माण कार्य प्रस्तावित है। लेकिन अड़चन डाले जाने से निर्माण कार्य नही हो पा रहा है। जबकि उपजिलाधिकारी द्वारा गठित राजस्व टीम द्वारा भूमि का सीमांकन करते हुए रास्ता बनाने के लिए चिन्हित किया जा चुका है। उन्होंने अवरोध को दूर कराते हुए रास्ते का निर्माण कार्य कराए जाने की डीएम से गुहार लगाई है। इस बारे में उपजिलाधिकारी मेंहदावल अरुण कुमार ने कहा कि भूमि की पैमाइश कराई जा चुकी है। मामले का जल्द निस्तारण करा दिया जाएगा।

सरयू में डूबकर कानपुर के तीन दोस्तों की मौत

संवाददाता–अयोध्या। चीख–पुकार सुनकर लोगों ने उन्हें पानी से बाहर निकाला। लेकिन देर हो चुकी थी श्री राम अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि कानपुर से 6 बच्चे अयोध्या दर्शन–पूजन के लिए आए थे। यह लोग सामान्य स्नान घाट पर न जाकर राम कथा पार्क के पास स्थित श्मशान घाट पर स्नान कर रहे थे। कानपुर से अयोध्या रामलला के दर्शन–पूजन करने आए 6 दोस्तों में से 3 की सरयू में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। जल पुलिस और लोगों ने तीनों को रेस्क्यू करके बाहर निकाला। इसके बाद आनन–फानन में अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ब्ड योगी आदित्यनाथ ने हादसे के बाद दुख जाहिर किया है। कानपुर के रहने वाले रवि मिश्रा (20), प्रियांशु सिंह (16) और हर्षित अवस्थी (18) अयोध्या घूमने आए थे। रामलला के दर्शन करने से पहले सभी दोस्त सरयू घाट पर चले गए। यहां पर एक युवक डूबने लगा। दूसरे दोस्त ने उसको बचाने का प्रयास किया। एक–एक करके तीन युवक गहरे पानी में चले गए। चीख–पुकार सुनकर लोगों ने उन्हें पानी से बाहर निकाला। लेकिन देर हो चुकी थी श्री राम अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि कानपुर से 6 बच्चे अयोध्या दर्शन–पूजन के लिए आए थे। यह लोग सामान्य स्नान घाट पर न जाकर राम कथा पार्क के पास स्थित श्मशान घाट पर स्नान कर रहे थे। यही पर हादसा हुआ। तीनों मृतकों का शव श्री राम अस्पताल के मोर्चरी में रखी गई है। इन बच्चों के परिवार अयोध्या के लिए रवाना हो चुके हैं। उन्हें पुलिस ने जानकारी दी है।

बूथों पर पहुंचकर मतदाताओं ने सूची में देखा नाम

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ क्षेत्र के मतदान केंद्रों के बूथों पर रविवार को बीएलओ ने उपस्थित रहकर वोटरलिस्ट में मतदाता का नाम दिखाया और छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम को मतदाता सूची में जोड़ने के लिए फॉर्म छह भरवाया।

क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों के बूथों पर बीएलओ ने मतदाताओं को उनका व उनके परिवार के सदस्य मतदाताओं का वोटर लिस्ट में नाम दिखाया और आगामी चुनाव में बूथ पर पहुंच कर मतदान करने को जागरूक भी किया। क्षेत्र के पंचायत भवन रेकहट पर बीएलओ राम सूरत यादव, ढेबरूआ बूथ पर आशुतोष मिश्र, मोहनकोला में अशोक कुमार, नवीन पकड़ी में कृष्णकला, रमवापुर खास में विजय बहादुर, रमवापुर तिवारी में बजरंगी, मारवाड़ी धर्मशाला शोहरतगढ़ में मीनू, माधुरी व राकेश जायसवाल, शिवपति इंटर कॉलेज में रीता शर्मा, गुंजा देवी और नीलम जायसवाल आदि ने बूथ पर बैठ कर मतदाताओं को वोटर लिस्ट में नाम होने की जानकारी दी। नाम न होने पर संबंधित पात्र मतदाता से आवेदन लिया। एसडीएम कमेन्द्र कुमार ने क्षेत्र के बजहा शहीद ए आजम भगतसिंह साधू नगर, महादेवा नानकार, सियावं नानकार, गड़ाकुल आदि बूथों का निरीक्षण कर बीएलओ को जरूरी दिशा निर्देश दिया। बूथ के रैम्प, पेयजल, शौचालय, प्रकाश आदि आवश्यक व्यवस्था को भी देखा।

ठेके पर काम, नहीं कर रहे सुरक्षा के इंतजाम

संवाददाता–गोरखपुर। बिजली निगम की लापरवाही कहें या फिर ठेकेदारों की मनमानी। दोनों जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण जान हथेली पर रखकर बिजलीकर्मी काम कर रहे हैं। ठेके पर हो रहे काम में सुरक्षा के इंतजाम बिल्कुल नहीं है। हर माह दो से तीन हादसे इस बात की गवाही दे रहे हैं कि बिजली निगम सुरक्षा के मानकों का कितना ख्याल रख रहा है। हादसों के बाद भी निगम और ठेकेदारों की नींद नहीं खुल रही है। इसकी वजह से काम करने वाले कर्मियों को जीवन भर का गहरा दर्द मिल रहा है। ये दो हादसे यह बताने के लिए काफी है। वहीं पिछले साल 29 मार्च को भटहट ब्लॉक के जंगल डुमरी में फाल्ट ठीक करते समय हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से लाइनमैन गंभीर रूप से झुलस गया था। लापरवाही पर कई दिनों बाद केस दर्ज किया गया था। इसी तरह 14 अगस्त को फोन पर गलत शटडाउन के कारण राप्ती नगर में एक प्राइवेट कर्मी की करंट लगने से मौत हो गई थी। इसी साल फरवरी माह में राप्ती नगर में ही बिजली की चपेट में आने से काम कर रहे दो प्राइवेट कर्मी घायल हो गए थे।

जिले में बिजली निगम में निजी फर्म लाइन को सही करने, क्षमता वृद्धि का काम कर रही है। निजी फर्म काम कर रहे कर्मियों को सुरक्षा के नाम पर कोई भी उपकरण नहीं दे रहे हैं। जबकि, नियम के तहत कर्मियों के पास सुरक्षा किट होना जरूरी है। लेकिन बिना सुरक्षा किट के कर्मियों को पोल पर चढ़ाया जा रहा है और उनकी जान की साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। काम के दौरान बिजली कर्मियों के पास सुरक्षा के 18 उपकरण हर हाल में होने चाहिए।

लेकिन, कर्मियों के पास नाम मात्र के उपकरण रहते हैं, जिसकी वजह से उनकी जान जा रही है। इन उपकरणों की बात करें तो हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट, अर्थ चेन, कटिंग प्लायर, ग्लव्स, सीढ़ी, रस्सा, चौनपुली ब्लॉक, फर्स्ट एंड बॉक्स, टेस्टर, स्पेनर सेट, वर्दी, आईडी कार्ड, शूज, टार्च, स्क्रू ड्राइवर, अर्थ रॉड और रैन कोट। आशु कलिया, चीफ, गोरखपुर जोन ने कहा कि निजी फर्मों सहित बिजली निगम के कर्मियों को सुरक्षा उपकरणों के साथ ही काम कराने के निर्देश दिए गए हैं। अगर नियमों का दरकिनार कर काम कराए जा रहे हैं, तो इसकी जांच कराई जाएगी। जांच में दोषी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

भूमिहार ब्राह्मणों ने भरी हुंकार, एकजुटता का लिया संकल्प

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता मंच ने खलीलाबाद स्थित एक मैरिज हाल में भूमिहार ब्राह्मण पंचायत का आयोजन किया। इसमें पूरे जनपद से भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजगुरु मठ काशी के पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अनंतानंद सरस्वती जी महाराज, भूमिहार ब्राह्मण एकता मंच फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोष कुमार एवं श्रवण आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पाण्डेय बतौर अतिथि मौजूद रहे।

तीनों अतिथियों का स्वागत सड़क मार्ग से आते समय जिले की सीमा मगहर में कार्यकर्ताओं ने किया। इसके बाद यहां से काफिला एचआरपीजी कॉलेज होते हुए समय माता मंदिर रास्ते कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा। भूमिहार ब्राह्मण एकता मंच एक सामाजिक संगठन है। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा परिचर्चा के साथ विभिन्न मुद्दों पर प्रस्ताव पारित किया गया। स्वामी अनन्तानन्द जी महाराज ने बताया कि समाज के एकीकरण के साथ सभी को शिक्षा से मजबूती के साथ जुड़ने की आवश्यकता है। हम सबको अपनी संस्कृति को आत्मसात करते हुए समाज को आगे ले जाने का सम्मित प्रयास करना चाहिए। एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोष कुमार ने कहा कि हमारी ताकत को जो लोग कमतर आंक रहे थे वे अब हमारी एक जुटता देख आश्चर्य में हैं। अपने लोगों को सम्मलित रूप से एक दूसरे के सहयोग हेतु तत्पर रहना चाहिए। सवर्ण आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पाण्डेय ने कहा कि सन्तकबीरनगर के युवाओं ने समाज के लोगों को एकजुट करने का जो प्रयास किया है वह अत्यंत सराहनीय है। जिसका प्रतिफल आज सामने दिख रहा है।

कार्यक्रम में लल्लू राय रईस के नाम पर मूर्ति लगाने, धनुषधारी पाण्डेय के नाम पर पुस्तकालय निर्माण एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मूर्ति स्थापना एवं उनके नाम पर सड़क का नाम रखने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। इस दौरान अशोक राय, रविन्द्र राय, अर्जुन राय, कुलदीप पांडेय, आदित्य राय, शुभम राय, मारुति नंदन पाठक, मोनू शुक्ला, आशुतोष राय, अजय दुबे, अनुराग, ओमप्रकाश तिवारी, आलोक राय आदि मौजूद रहे।

गोरखपुर क्लब और लाज निपाल-38 के भविष्य पर भी संकट

संवाददाता–गोरखपुर। नई नजूल नीति–2024 को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद शहर के क्लब लॉज निपाल 38 और गोरखपुर क्लब के भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है। लॉज निपाल 38 की लीज 2019 में खत्म हो चुकी है। शासन स्तर पर नवीनीकरण की फाइल अटकी पड़ी है, जबकि गोरखपुर क्लब की लीज मार्च 25 में खत्म हो रही है। अब इन क्लबों के जिम्मेदार विधिक विमर्श ले रहे हैं। चार दिन पहले योगी सरकार की कैबिनेट की बैठक में नजूल भूमि के संबंध में अहम निर्णय लिए गए। इसके तहत अब सरकार निजी व्यक्तियों या संस्था को नजूल भूमि का स्वामित्व नहीं मिलेगा। पट्टा अवधि खत्म होते ही सरकार पट्टेदार को बेदखल कर नजूल भूमि वापस ले लेगी। सिर्फ सरकारी विभागों को सार्वजनिक उपयोग के लिए नजूल भूमि दी जाएगी। इस निर्णय के आने के बाद शहर के पॉश इलाके सिविल लाइंस, गोलघर, रेलवे स्टेशन स्थित बहुत सारे होटल–रेस्टोरेंट और व्यावसायिक कांप्लेक्स पर खतरा मंडराने लगा है। ये सभी नजूल की जमीन पर बने हुए हैं। कलेक्ट्रेट परिसर में दर्ज रेवेन्यू रिकॉर्ड के अनुसार, निपाल लॉज की लीज 6 फरवरी 1941 को लॉज निपाल 38 के नाम से तत्कालीन डीएम ने किया था। अधिसूचित क्षेत्र का पट्टा 1903 में शुरू हुआ था। उस समय सरकारी जमीनों को पट्टे पर देने के लिए डीएम की ओर से अधिसूचित क्षेत्र कर अधिकृत की जाती थी। तब, लॉज 30 की जगह निपाल लॉज 2018 के नाम से इसकी लीज डीड बनी थी। 30 वर्ष के अंतराल पर लीज की समयावधि बढ़ाई जानी थी। ऐसे में 58 वर्ष पूरा होने पर 1999 में फिर से तीस वर्ष के लिए निपॉल लॉज की लीज डीड बढ़ाए जाने का आवेदन तत्कालीन पदाधिकारियों ने डीएम(कलेक्टर) से किया था, लेकिन इस बार लीज की डीड पहले 20 वर्ष फिर 10 वर्ष तक बढ़ाए जाने की शर्त रख दी गई।

रेस्टोरेंट में चल रहा था सेक्स का धंधा, आपत्तिजनक हालत में मिले कपल, छह गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। एक रेस्टोरेंट में देह व्यापार का धंधा चल रहा था। सूचना मिलने पर मौके पर पर पहुंची पुलिस ने छापेमारी कर दो जोड़ों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा। वहीं, रेस्टोरेंट से आपत्तिजनक वस्तुएं भी बरामद कीं। पुलिस ने दोनों जोड़ों के साथ रेस्टोरेंट संचालक समेत 6 लोगों को हिरासत में लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद सभी को देह व्यापार के केस में जेल भेज दिया गया। ये मामला सहजनवा क्षेत्र के भीटी रावत चौराहे का है। सीओ गीडा अनुराग सिंह ने बताया संदिग्ध वाहनों और वारंटियों की तलाश में थानाध्यक्ष मदन मोहन मिश्र कांस्टेबल रुद्र सिंह, राहुल प्रसाद गश्त पर निकले थे। तभी जानकारी मिली कि भीटी रावत स्थित एक रेस्टोरेंट पर देह व्यापार का धंधा चल रहा है। जानकारी मिलते ही एसआई धनश्याम उपाध्याय, महिला कांस्टेबल को मौके पर बुलाकर छापेमारी की गई। रेस्टोरेंट की दूसरे मंजिल के दो कमरे में दो जोड़े आपत्तिजनक हालत में मिले। उनके पास से 2250 रुपये और आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद हुई। पूछताछ में जोड़ों ने बताया की रेस्टोरेंट संचालक द्वारा एक हजार रुपए लेकर कमरे दिए जाते हैं। साथ ही फोटो दिखाकर ग्राहकों को सेट किया जाता था। पुलिस ने रेस्टोरेंट संचालक चन्द्रकेतु निवासी वार्ड 10 लुचुई, प्रमोद चौरसिया बरईपार थाना सहजनवा, अलाउद्दीन उर्फ गोलू अंसारी शेरपुर खलीलाबाद के अलावा सेमरा मगहर खलीलाबाद और बगहिया थाना खलीलाबाद की दो महिलाओं के खिलाफ देह व्यापार का केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उनको जेल भेज दिया गया।

पत्नी को घर से निकाल कर तलाक के बनवाए फर्जी दस्तावेज, फिर ले आया नई दुल्हनिया, पांच पर मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर में अजब–गजब मामला सामने आया है। यहां की रहने वाली एक महिला ने अपने पति के ऊपर कई गंभीर आरोप लगाते हुए धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवाया है। महिला का आरोप है कि उसके पति ने पहले उसे मारपीट कर के निकाल दिया। इसके बाद दूसरी शादी करने की तैयारी में जुट गया। इसके लिए उसने तलाक के फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए। फिर नई दुल्हनिया घर ले आया। तलाकनामे की जानकारी होने पर पत्नी ने लखनऊ कोर्ट पहुंचकर छानबीन की तो पता चला कि तलाक के दस्तावेज फर्जी हैं। इसके बाद महिला कोतवाली पहुंची और धोखाधड़ी की शिकायती की। महिला की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने फर्जी तलाकनामा तैयार करके दूसरी शादी करने के मामले में लखनऊ के रहने वाले पति सहित पांच पर केस दर्ज किया है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के बेनीगंज की अंजली श्रीवास्तव ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि तीन मार्च 2019 को उसकी शादी लखनऊ के पारा थानाक्षेत्र स्थित मोहान रोड, मॉडल सिटी के गौरव श्रीवास्तव उर्फ सृजित से हुई थी। शादी के एक माह बाद ससुराल के लोग दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। विरोध करने पर पति व अन्य ने पीटकर भगा दिया। 29 सितंबर 2023 को गौरव ने बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर ली।

जानकारी होने पर उसने लड़की के परिवारीजनों से बात की तो उन्होंने तलाक का पेपर दिखाने के साथ ही उसकी कॉपी भेजी। लखनऊ के न्यायालय से जारी आदेश की कॉपी लेकर वह कचहरी पहुंची। छानबीन पर पता चला कि कूटरचित तरीके से दस्तावेज तैयार कर तलाक का फर्जी पेपर बनवाकर गौरव ने दूसरी शादी की है।

एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने गौरव उसकी मां उषा देवी, बहन खुशबू, साक्षी के अलावा गोरखपुर कोतवाली थानाक्षेत्र में रहने वाली बबली श्रीवास्तव के साथ विरुद्ध कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जालसाजी करने और दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है।

डिजिटल इंडिया से तेजी से तरक्की कर रहा देश

संवाददाता–गोरखपुर। भगवानदास शकुंतला देवी वूमेन एजुकेशन इंस्टीट्यूट बदुरहिया में रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना सप्त दिवसीय शिविर में डिजिटल भारत पर पोस्टर प्रतियोगिता हुई। इसमें कॉलेज की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रबंधक योगेशचंद जायसवाल ने कहा कि डिजिटल इंडिया से देश तेजी से तरक्की कर रहा है।

उन्होंने डिजिटल इंडिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्वयंसेविकाओं ने डिजिटल भारत के बारे में पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन कराया गया। इसमें निशु को प्रथम स्थान, प्रकृति यादव को द्वितीय और स्नेहा जायसवाल को तृतीय स्थान मिला। पोस्टर प्रतियोगिता के बाद स्वयंसेविकाओं ने डिजिटल भारत संगोष्ठी में विचार प्रस्तुत किए। डिजिटल भारत के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। बताया कि अभियान का प्रमुख उद्देश्य तकनीक को मजबूत बनाना है। पूरे भारत को इंटरनेट से जोड़ने का कार्य हो रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता सिंह ने कहा कि डिजिटल इंडिया की शुरुआत भारत में 1 जुलाई 2015 देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य था कि गांव और शहर के क्षेत्र में तेजी से इंटरनेट की सुविधा प्रदान करना है। इस अवसर पर ममता शाही, मनीषा त्रिपाठी, संजय कुमार यादव व सभी स्वयंसेविकाएं व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संत कबीर नगर के सांसद का जनता ने किया विरोध

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। भाजपा से टिकट घोषित होने के बाद एक दिन पहले आलापुर विधानसभा क्षेत्र में पंहुचे संत कबीर नगर के सांसद प्रवीण निषाद को कुछ लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना था कि चुनाव जीतने के बाद वे क्षेत्र में बेहद कम आए। अब जब फिर चुनाव लड़ना है तो क्षेत्र में दिख रहे हैं। ऐसे में लोगों की उनसे नाराजगी है। संतकबीरनगर लोकसभा क्षेत्र में जिले का आलापुर विधानसभा शामिल है।

आलापुर पहुंचे संतकबीरनगर सांसद का विरोध करते वीडियो वायरल हुआ है। एक बुजुर्ग समेत कुछ अन्य लोगों ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद कभी दिखे नहीं और जब फिर चुनाव आया है तो दिखायी दे रहे है। हालांकि सांसद और उनके समर्थकों ने समझा बुझाकर स्थिति संभाल लिया।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ईमेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com